

कटनी, भोपाल, मंडला, जबलपुर, इंदौर, मुंबई, दिल्ली, रायपुर, नरसिंहपुर, सिवनी से एक साथ प्रकाशित

yashbharat.co.in

नये जमाने के साथ..

विनम्रता लोगों के दिल जीतती है। घमंड से दूरी बनती है।

● वर्ष- 20 अंक 231 ● कटनी ● गुरुवार, 24 सितम्बर , 2026 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ- 8 ● भाद्रपद शुक्ल 12 ● विक्रम संवत् 2083

यमुना एक्सप्रेसवे पर चलती स्लीपर बस में भीषण आग, 9 यात्री जिंदा जले, कई झुलसे



ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। यमुना एक्सप्रेसवे पर जेवर एयरपोर्ट के पास बुधवार देर रात एक चलती स्लीपर बस में भीषण आग लगने से दर्दनाक हदसा हो गया। हदसे में नौ यात्रियों की जलकर मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल बताए जा रहे हैं। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक हदसा रात करीब 11:30 बजे, यमुना एक्सप्रेसवे के किलोमीटर 33 के पास हुआ। बस नोएडा से आगरा की ओर जा रही थी। यात्रियों के अनुसार, बस के केबिन से अचानक जलने की गंध आने

लगी। कुछ यात्रियों ने चालक और परिचालक को इसकी जानकारी भी दी, लेकिन आरोप है कि बस को तत्काल रोककर जांच नहीं की गई।

कुछ ही देर बाद चालक की सीट के पास से आग की तेज लपटें निकलने लगीं। देखते ही देखते आग ने पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया। आग लगने के बाद यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। कुछ यात्री किसी तरह बस से बाहर निकलकर अपनी जान बचाने में सफल रहे, जबकि कई यात्री अंदर ही फंस गए। हदसे में नौ यात्रियों की जिंदा जलने से मौत हो गई। बस को आग की लपटों में धिरा देखकर एक्सप्रेसवे से

मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर डबल-डेकर टूरिस्ट बस में लगी आग

खालापूर, यशभारत। मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर खालापूर टोल प्लाजा के पास गुरुवार सुबह एक डबल-डेकर टूरिस्ट बस में अचानक आग लग गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, बस पुणे की ओर जा रही थी और करीब सुबह 7.37 बजे उसने आग लगी। बस में आग लगते ही यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना संबंधित अधिकारियों को दी गई, जिसके बाद मौके पर राहत एवं बचाव कार्य शुरू किए जाने की जानकारी है। आग लगने के कारणों का फिलहाल स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। हदसे के चलते एक्सप्रेसवे पर यातायात प्रभावित होने की संभावना है। प्रशासन और संबंधित एजेंसियां घटना की परिस्थितियों की जांच कर रही हैं। फिलहाल आग से हुए नुकसान और किसी के हाताहत होने की विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है।



तेलंगाना में भी बस में आग लगी

तेलंगाना के हैदराबाद में श्रीरैलम गा रही एक बस में आग लग गई। हदसा करमनाघाट हनुमान गॉटिर के पास हुआ। अधिकारियों को घटना की सूचना बुधवार देर रात करीब 2:15 बजे मिली। बस में सवार सभी 38 यात्री सुरक्षित बाहर निकल गए। हदसे में किसी के घायल होने की जानकारी नहीं है।

मिलने पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना का संज्ञान लिया। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए अधिकारियों को घायलों के समुचित इलाज की व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

बैंक हड़ताल से पहले केंद्र का बड़ा फैसला

25 सितंबर को ही खाते में आएगा वेतन-पेंशन 27 को रविवार के बावजूद खुलेंगे सरकारी बैंक

जबलपुर, यशभारत। देशभर में 28 से 30 सितंबर तक प्रस्तावित तीन दिवसीय राष्ट्रव्यापी बैंक हड़ताल से पहले केंद्र सरकार ने अपने कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए बड़ा फैसला लिया है। हड़ताल के दौरान बैंकिंग और वित्तीय लेन-देन प्रभावित होने की आशंका को देखते हुए सितंबर माह का वेतन और पेंशन निर्धारित समय से पहले 25 सितंबर 2026, शुक्रवार को ही जारी करने के निर्देश दिए गए हैं। सरकार के इस फैसले से केंद्र के लाखों कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को राहत मिलने की उम्मीद है। वित्त मंत्रालय के व्यव विभाग के महालेखा निर्यंत्रक कार्यालय की ओर से जारी कार्यालय ज्ञापन में कहा गया है कि प्रस्तावित बैंक हड़ताल के कारण वित्तीय लेन-देन में व्यवधान की संभावना है। इसी को ध्यान में रखते हुए वेतन और पेंशन का भुगतान अग्रिम रूप से करने का निर्णय लिया गया है। इसके साथ ही सितंबर माह के अंत में चालू तिमाही भी समाप्त हो रही है, इसलिए किसी भी प्रकार की वित्तीय देरी से बचने के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक भुगतान समय से निपटाने के निर्देश दिए गए हैं।

रक्षा, डाक और दूरसंचार कर्मचारियों को भी लाभ

सरकार के निर्णय के दायरे में केंद्र सरकार के सभी सिविल कर्मचारी, औद्योगिक कर्मचारी और पेंशनभोगी आएंगे। रक्षा, डाक और दूरसंचार विभाग के कर्मचारियों को भी इसका लाभ मिलेगा। 25 सितंबर को किया जाने वाला भुगतान अग्रिम भुगतान माना जाएगा। बाद में महीने का अंतिम हिसाब-किताब पूरा होने पर यदि किसी राशि का समायोजन आवश्यक हुआ तो उसे अक्टूबर 2026 के वेतन या पेंशन में समायोजित किया जाएगा।

आम बैंक ग्राहकों के लिए भी बड़ी व्यवस्था

बैंक हड़ताल से ठीक पहले पड़ रहे सप्ताहांत को देखते हुए सरकार ने आम बैंक ग्राहकों के लिए भी बड़ी व्यवस्था की है। 27 सितंबर, रविवार को सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक खुले रहेंगे। सामान्य तौर पर रविवार को बैंक शाखाएं



बंद रहती हैं, लेकिन हड़ताल के दौरान ग्राहकों को बैंकिंग सेवाओं में परेशानी से बचाने के लिए इस दिन शाखाओं को संचालित करने का निर्णय लिया गया है। भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से रविवार को बैंक शाखाओं के साथ प्रशासनिक कार्यालयों, एटीएम से संबंधित शाखाओं और करेंसी चेस्ट को भी पूरी तरह सक्रिय रखने की अनुमति दी गई है। इसका उद्देश्य हड़ताल शुरू होने से पहले अधिक से अधिक जरूरी बैंकिंग काम निपटाने का अवसर ग्राहकों को उपलब्ध कराना है।

यूनियनों से बातचीत, हड़ताल टालने की अपील

28 से 30 सितंबर तक प्रस्तावित हड़ताल को लेकर सरकार और बैंक प्रबंधन की ओर से बैंक यूनियनों के साथ बातचीत जारी है। सरकार ने यूनियनों से हड़ताल वापस लेने की अपील की है। वहीं, हड़ताल की स्थिति में आम जनता को आवश्यक बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए वैकल्पिक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने की कवायद भी की जा रही है। सितंबर के अंतिम सप्ताह में लगातार छुट्टियों और प्रस्तावित तीन दिवसीय हड़ताल के कारण बैंकिंग कामकाज पर असर पड़ने की आशंका के बीच सरकार का अग्रिम वेतन-पेंशन भुगतान और रविवार को बैंक खोलने का फैसला महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अब निगाहें 28 सितंबर से शुरू होने वाली प्रस्तावित हड़ताल और सरकार-यूनियनों के बीच चल रही बातचीत के अगले दौर पर टिकी हैं।

समस्तीपुर में युवती से कथित बदसलूकी वीडियो वायरल; पांच सदिव्ध हिरासत में

समस्तीपुर, एजेंसी। बिहार के जमुई में छात्रा से छेड़छाड़ का मामला सामने आने के बाद अब समस्तीपुर में एक युवती के साथ कथित बदसलूकी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। मामला कपूरिग्राम थाना क्षेत्र के जगतसिंहपुर गांव स्थित बांध बाड़पास रोड का बताया जा रहा है। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और पांच सदिव्ध लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

फोटो लेने के दौरान युवती को घेरने का आरोप

स्थानीय लोगों के अनुसार, युवती एक युवक के साथ बांध बाड़पास रोड से गुजर रही थी। दोनों सड़क किनारे रुककर फोटो ले रहे थे। इसी दौरान कुछ युवक वहां पहुंचे और युवती को घेर लिया। आरोप है कि युवकों ने उसके साथ गाली-गलौज और अभद्र व्यवहार किया। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में कुछ युवक युवती से उसका नाम और पता पूछते नजर आ रहे हैं। वीडियो को लेकर युवती के साथ कथित तौर पर गलत तरीके से छूने और सड़क पर खींचने जैसी हरकत किए जाने के



दावे भी किए जा रहे हैं। हालांकि, पुलिस अभी वीडियो और घटना की पूरी सत्यता की जांच कर रही है।

वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने शुरू की कार्रवाई

बुधवार देर शाम वीडियो सोशल मीडिया के अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर वायरल होने के बाद मामला पुलिस के संज्ञान में आया। इसके बाद पुलिस ने वीडियो में दिखाई दे रहे लोगों की पहचान का प्रयास शुरू किया। पुलिस के अनुसार, अब तक दो युवकों की पहचान कपूरिग्राम थाना क्षेत्र के जगतसिंहपुर गांव निवासी विकास शर्मा और राहुल कुमार के रूप में हुई है। मामले में पांच सदिव्ध लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस अधीक्षक अरविंद प्रताप सिंह के अनुसार, अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है और वीडियो में दिखाई दे रहे सभी व्यक्तियों की पहचान का प्रयास जारी है।

रोशिविना देवी ने वुश में सिल्वर दिलाया

लगातार तीसरे एशियन गेम्स में मेडल जीता; रोड़गं में सतनाम-सतमान को बॉन्ज मिला

नागोया, यशभारत। रोशिविना देवी ने एशियन गेम्स के 5वें दिन गुरुवार को सिल्वर मेडल दिलाया। वे झिंलाओं के 60पद्म साइड इवेंट का फाइनल में चीन की झिंला शियाओयू से 0-2 से हार गईं। यह रोशिविना का एशियन गेम्स में लगातार तीसरा मेडल है। वे एशिया में लगातार तीन मेडल जीतने वाली भारत की पहली महिला वुश खिलाड़ी बन गई हैं। उन्होंने 2018 जकार्ता में ब्रॉन्ज और 2023 हांगकॉन्ग में सिल्वर जीता था। वहीं, रोड़गं में सतनाम सिंह और सलमाना खान की जोड़ी ने मेस डबल्यू स्कल इवेंट में 6:13.25 मिनट की टाइमिंग के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। भारत अब तक 14 मेडल जीत चुका है। उसने 1 गोल्ड, 6 सिल्वर और 7 ब्रॉन्ज जीते थे। भारत मेडल टैली में 14वें स्थान पर है।



एसआईआर पर घिरा चुनाव आयोग, अंदर से भी उठे सवाल

गरमाई सिवासत

नई दिल्ली, यशभारत। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) को लेकर चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सियासी घमासान तेज हो गया है। द इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि नवंबर 2025 से अगस्त 2026 के बीच चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और निवेक जोशी ने विभिन्न फैसलों और आदेशों पर कम से कम 14 लिखित आपत्तियां दर्ज कीं। रिपोर्ट के मुताबिक, आपत्तियां SIR, फॉर्म-6 में बदलाव, मतदाता सूची में नाम जोड़ने-हटाने, अपील और चुनावी डेटा तक पहुंच जैसे मुद्दों से जुड़ी थीं।

रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया कि कुछ मामलों में दोनों आयुक्तों ने सवाल उठाया कि उनकी जानकारी के बिना फैसले और आदेश कैसे जारी किए गए। इन दावों ने चुनाव आयोग के भीतर निर्णय प्रक्रिया और पारदर्शिता को लेकर सवाल खड़े कर दिए। हालांकि, चुनाव आयोग ने अंदरूनी मतभेद की खबरों को साफ तौर पर खारिज किया है। आयोग के सूत्रों के अनुसार, अलग-अलग मुद्दों पर आयुक्तों की व्यक्तिगत राय अलग हो सकती है, लेकिन स्कूट समेत सभी अंतिम फैसले तभी चुनाव आयुक्तों की सहमति से लिए गए हैं।

सांसद विवेक तन्खा का तीखी प्रतिक्रिया लोकतंत्र को नष्ट होने नहीं दे सकते

चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर उठे सवालों के बीच कांग्रेस सांसद और वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक तन्खा ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। चुनाव आयोग के भीतर कथित मतभेदों और बड़ी संख्या में मतदाताओं के नामों को लेकर सामने आई मीडिया रिपोर्ट के बाद तन्खा ने निर्वाचन संस्थाओं की भूमिका और लोकतांत्रिक प्रक्रिया की पारदर्शिता पर गंभीर चिंता जताई। तन्खा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि जो बातें अब तक अप्रत्यक्ष थीं, वे अब प्रत्यक्ष होती दिख रही हैं। उन्होंने मतदाता सूची से 13 करोड़ नाम हटाए जाने के दावे का उल्लेख करते हुए सवाल खड़ा किया कि यदि करोड़ों नाम झप्पट सूची से बाहर हो रहे हैं, तो इसका लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर क्या असर पड़ेगा। उन्होंने चुनाव आयुक्तों के बीच कथित असहमति का भी जिक्र किया और कहा कि अब बोलने का समय आ गया है। तन्खा ने अपनी चिंता को लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता से जोड़ते हुए कहा कि देश अपने लोकतंत्र को नष्ट होने की अनुमति नहीं दे सकता। उनके बयान में निर्वाचन प्रक्रिया की निष्पक्षता, मतदाता के अधिकार और संस्थागत जवाबदेही को लेकर चिंता प्रमुख है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने आयोग से SIR, फॉर्म-6, मतदाता डेटाबेस और गोवा के 97 मतदाताओं सहित कई मामलों पर दस्तावेजी स्पष्टीकरण मांगा है।

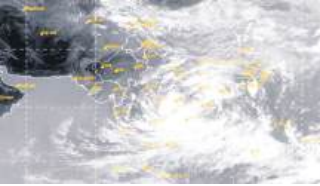


आंध्र प्रदेश के तट से चक्रवात ‘अर्नब’ टकराया

ओडिशा में भारी बारिश से कई पुल बहे, 5000 लोग सुरक्षित जगह भेजे, बंगाल में भी अलर्ट

श्रीकाकुलम, ईएमएस। आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले में कलिंगपट्टनम के पास अर्नब चक्रवात तट से टकराया। मौसम विभाग के मुताबिक, यह सिस्टम पिछले 6 घंटे में 3 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में अगे बढ़ा। इसने 23 सितंबर की रात 11 बजे से 24 सितंबर की रात 1 बजे के बीच कलिंगपट्टनम के दक्षिण-पश्चिम में तट पार किया।

इसके असर से कई इलाकों में भारी बारिश हुई। इस दौरान 75 किमी प्रति घंटे



की रफ्तार से हवाएं भी चलीं। एनटीआर जिले के विजयवाड़ा में सुबह से लगातार बारिश हो रही है। इससे निचले इलाकों में पानी भर गया है। शहर के कई स्कूलों में आज लगातार दूसरे दिन छुट्टी घोषित की गई है। ओडिशा में भी इसका असर ज्यादा देखने को मिल रहा है। करीब

5,000 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। मलकानगिरी में भारी बारिश से कई पुल बह गए हैं। पुलों के ऊपर 3 से 4 फीट तक पानी बह रहा है। राज्य के कम से कम 7 जिलों में स्कूल बंद कर दिए गए हैं। सरकारी कर्मचारियों की छुट्टियां भी रह कर दी गई हैं। 11 जिलों के कलेक्टरों को राहत और बचाव की तैयारियां पूरी रखने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं, पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों में भी भारी बारिश का अनुमान है। दार्जिलिंग और कलमिंग्गाम में भूस्खलन की चेतावनी जारी की गई है।

पाकिस्तान का अफगानिस्तान में 10 ठिकानों पर हवाई हमले का दावा

ड्रोन हमलों और सीमा पर गोलीबारी के बाद बढ़ा तनाव, तालिबान ने आरोपों को किया खारिज

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। पाकिस्तान ने गुरुवार तड़के अफगानिस्तान के अंदर 10 ठिकानों पर हवाई हमले करने का दावा किया। पाकिस्तानी अधिकारियों के मुताबिक, इन ठिकानों का इस्तेमाल पाकिस्तान के खिलाफ ड्रोन हमलों के लिए किया जा रहा था। पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्लाह तारन ने सोशल मीडिया पर बताया कि सेना ने अफगानिस्तान में 10 स्थानों को निशाना बनाया। इससे एक दिन पहले पाकिस्तानी अधिकारियों ने दावा किया था कि अफगानिस्तान की ओर से आठ ड्रोन भेजे गए थे। पाकिस्तान का कहना है कि इन सभी ड्रोन को कोहाट और तोरखम में सीमा क्षेत्र तक पहुंचने से पहले ही मार गिराया गया और हमलों में कोई नुकसान नहीं हुआ।



तालिबान ने आरोपों से किया इनकार

अफगान तालिबान सरकार ने पाकिस्तान के आरोपों को खारिज किया है। तालिबान के प्रवक्ता जबीहल्लाह गुजाहिद ने कहा कि अफगान बलों ने पाकिस्तान पर कोई हमला नहीं किया। पाकिस्तान के ताजा हवाई हमलों पर अफगानिस्तान की ओर से तत्काल विस्तृत प्रतिक्रिया सामने नहीं आई।

सीमा पर भी बढ़ा तनाव

दोनों देशों के बीच सीमा पर घुसपैठ और गोलीबारी को लेकर भी तनाव बना हुआ है। पाकिस्तानी अधिकारियों का आरोप है कि अफगानिस्तान की ओर से घुसपैठ की कोशिश के बाद तालिबान बलों ने पाकिस्तानी सीमा चौकियों पर मोर्टार और भारी हथियारों से हमला किया। इसके जवाब में पाकिस्तानी सेना ने तोपों से कई फरवर्ड करे हुए तालिबान की सीमा चौकियों, मोर्टार ठिकानों और रक्षात्मक स्थानों को निशाना बनाया।

कल विदा होंगे गणपति, आज रात दर्शन को उमड़ेगी भीड़

कटनी

बप्पा के जयकारों से गुंजायमान हुआ शहर, प्रमुख पंडालों में देर रात तक भीड़

कटनी, यशभारत। भगवान गणपति को कल अनंत चतुर्दशी के शुभ मुहूर्त में विदाई दी जाएगी। औद्योगिक नगरी कटनी में गणेशोत्सव का उल्लास अब अपने चरम पर पहुंच चुका है। आज दर्शन का अंतिम दिन है, लिहाजा शाम से ही स्थापना स्थलों पर भीड़ बढ़ जाएगी। विघ्नहर्ता भगवान श्रीगणेश की स्थापना के साथ ही शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक हर ओर भक्ति, आस्था और श्रद्धा की बयार बह रही है। बुधवार देर शाम से शहर के तमाम छोटे-बड़े गणेश पंडालों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़नी शुरू हो गई, जो देर रात तक अनवरत जारी रही। गणपति बप्पा के दर्शन-पूजन और आशीर्वाद लेने के लिए बच्चे, बुजुर्ग, युवा और महिलाएं सपरिवार पंडालों में पहुंच रहे हैं।

प्रमुख पंडालों में लगी लंबी कतारें

शहर के हृदय स्थल कहे जाने वाले गणेश चौक स्थित विशाल पंडाल में विशेष साज-सज्जा और भव्य प्रतिमा के दर्शन के लिए भक्तों का



सैलाब उमड़ पड़ा। यहां देर रात तक श्रद्धालु अनुशासित तरीके से कतारबद्ध होकर अपनी बारी का इंतजार करते दिखे। इसी तरह आजाद चौक, गाटरघाट स्थित प्राचीन शिव मंदिर परिसर, कटनी रेलवे ब्रिज के नीचे और लक्ष्मी नारायण मंदिर के समीप स्थापित प्रमुख पंडालों में भी दिन ढकते ही श्रद्धालुओं का तांता लग गया। आकर्षक विद्युत सज्जा, मनोहरी झांकियां और पंडालों का भव्य स्वरूप लोगों को

विशेष रूप से आकर्षित कर रहा है। 'गणपति बप्पा मोरया' और 'मंगलमूर्ति मोरया' के गगनभेदी जयकारों से पूरा इलाका गूंज उठा।

महाआरती और सांस्कृतिक आयोजनों की धूम

शाम ढलते ही विभिन्न पूजा समितियों द्वारा विधि-विधान से महाआरती का आयोजन

किया जा रहा है। महाआरती के बाद भक्तों में प्रसाद वितरण का सिलसिला देर रात तक चलता रहता है। कई प्रमुख समितियों द्वारा भजन संध्या, सुंदरकांड पाठ और बच्चों के लिए धार्मिक व सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया जा रहा है, जिससे पर्व का उल्लास दोगुना हो गया है। श्रद्धालु बप्पा की मनमोहक छटा को अपने कैमरों और मोबाइल में कैद करते भी नजर आए।

ग्रामीण क्षेत्रों में भी उत्सव का माहौल

शहरी क्षेत्र के साथ-साथ जिले के ग्रामीण अंचलों में भी गणेशोत्सव को लेकर भारी उत्साह देखा जा रहा है। गांवों में स्थापित पंडालों में स्थानीय भजन मंडलियों द्वारा देर रात तक पारंपरिक भजन-कीर्तन प्रस्तुत किए जा रहे हैं। ढोल-मंजीरों की थाप पर गुंजते भक्ति गीतों ने समूचे ग्रामीण परिवेश को भक्तिमय बना दिया है। पूजा समितियों के सदस्यों के साथ-साथ स्थानीय प्रशासन भी भीड़ नियंत्रण और व्यवस्था बनाए रखने में जुटा हुआ है। कुल मिलाकर, पर्व के आगे बढ़ने के साथ ही पूरा जिला गणेशमय नजर आ रहा है।

26 करोड़ की मंडी, स्टाफ के नाम पर अकाल

8-10 साल से भर्ती बंद, 67 कर्मचारियों के भरोसे करोड़ों के कारोबार और हजारों विंटल आवक की व्यवस्था

कटनी, यशभारत। सालाना करीब 25 से 26 करोड़ रुपए का राजस्व देने वाली कृषि उपज मंडी में कर्मचारियों का टोटा अब व्यवस्थाओं पर भारी पड़ रहा है। पिछले 8 से 10 साल से नियमित भर्ती नहीं होने के कारण करोड़ों के कारोबार वाली मंडी सीमित स्टाफ के सहारे चल रही है। मंडी में महज 33 सरकारी कर्मचारी हैं, जबकि 34 आउटसोर्स कर्मचारियों के भरोसे सुरक्षा, चौकीदारी और देखरेख जैसे काम चल रहे हैं। यानी नीलामी, फील्ड व्यवस्था और किसानों से जुड़े कामों की जिम्मेदारी भी सीमित नियमित अमले पर है। मंडी में सामान्य दिनों में 7 से 8 हजार विंटल अनाज की आवक होती है, जबकि सीजन में दबाव और बढ़ जाता है। ऐसे में कर्मचारियों की कमी का असर सरकारी कामकाज में देरी के रूप में सामने आ रहा है। सवाल यह है कि जब मंडी हर साल करोड़ों रुपए का राजस्व दे रही है तो वर्षों से रिक्त पदों को भरने की पहल क्यों नहीं हुई?



वया कहते मंडी सचिव

कर्मचारियों की कमी से कामकाज प्रभावित होता है। स्टाफ के अभाव में सरकारी काम भी लेट होते हैं और पर्याप्त कर्मचारियों की व्यवस्था जरूरी है।

मनीष मंडावी सचिव कृषि उपज मंडी कटनी

धान पर भूरा माहू का हमला, खेतों में सर्वे की मांग

फसल बचाने तत्काल नियंत्रण उपायों की जरूरत, प्रभावित किसानों को मुआवजा देने की मांग कलेक्टर तक पहुंची

कटनी, यशभारत। जिले में धान की फसल पर भूरा माहू के प्रकोप को लेकर किसानों की चिंता बढ़ गई है। फसल को संभावित नुकसान के बीच अब प्रभावित क्षेत्रों में खेत-खेत सर्वे कराने और बीमारी की स्थिति स्पष्ट करने की मांग उठी है। जिला पंचायत सदस्य संघ के प्रदेश अध्यक्ष अजय गोठिया ने कलेक्टर आशीष तिवारी को पत्र सौंपकर प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की। पत्र में कहा गया है कि धान की फसल में भूरा माहू का प्रकोप सामने आने पर समय रहते नियंत्रण उपाय नहीं किए गए तो किसानों की लागत और मेहनत पर असर पड़ सकता है। ऐसे में कृषि विभाग की टीमों को

प्रभावित क्षेत्रों में भेजकर फसल की स्थिति का आकलन कराने तथा किसानों को कीट नियंत्रण के वैज्ञानिक उपायों की जानकारी उपलब्ध कराने की मांग की गई है। साथ ही जिन किसानों की फसल प्रभावित होती है, उनका नियमानुसार सर्वे कराकर पात्रता के अनुसार मुआवजा उपलब्ध कराने की मांग रखी गई है। गोठिया ने प्रशासन से मामले को केवल शिकायत तक सीमित न रखते हुए खेतों में वास्तविक स्थिति की जांच और समयबद्ध कार्रवाई की अपेक्षा जताई है। इस दौरान जिला पंचायत सदस्य प्रेमलाल केवट, घनश्याम हल्दकर, राजेश हल्दकर सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

आउटसोर्स भर्ती पर उठे सवाल

जॉइनिंग से पहले जांच के घेरे में 159 नियुक्तियां

लेन-देन की शिकायतों के बाद स्वास्थ्य विभाग ने माना मामला जांच में, चयन सूची से लेकर कपनी के अनुबंध तक खंगालने की मांग



जानकारी के मुताबिक जिला चिकित्सालय सहित स्वास्थ्य विभाग के अधीनस्थ क्षेत्रों में डाटा एंट्री ऑपरेटर, कुक, हेल्पर, स्वीपर, सपोर्ट स्टाफ, कंप्यूटर ऑपरेटर और मल्टीटास्क वर्कर जैसे पदों पर आउटसोर्स भर्ती की गई है। अब सवाल यह उठ रहा है कि चयन की प्रक्रिया कितनी पारदर्शी रही और क्या सभी अभ्यर्थियों का चयन निष्पक्षता और मापदंड के आधार पर

हुआ।

मामले में चयन सूची, अभ्यर्थियों की पात्रता, मेरिट या इंटरव्यू से संबंधित रिकॉर्ड, चयन प्रक्रिया की पूरी फाइल तथा सिक्वोरिटी कंपनी और स्वास्थ्य विभाग के बीच हुए अनुबंध की जांच की मांग उठ रही है। कथित पैसों के लेन-देन के आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं हुई है, लेकिन आरोपों की गंभीरता को देखते हुए पूरी प्रक्रिया की निष्पक्ष जांच जरूरी बताई जा रही है।

जॉइनिंग पर भी नजर

विभाग के अनुसार चयनित अभ्यर्थियों की जॉइनिंग अभी प्रशासनिक कार्रवाई और जांच के बाद ही होगी। ऐसे में जांच के निष्कर्ष आने तक नियुक्तियों की वैधता और चयन प्रक्रिया पर उठ रहे सवालों का जवाब मिलना बाकी है। यदि जांच में आर्थिक लेन-देन या नियमों के उल्लंघन की पुष्टि होती है तो जिम्मेदारी तय करने की कार्रवाई भी अहम होगी।

इनका कहना है

'कंपनी को टेंडर के माध्यम से कार्य दिया गया था और उसी प्रक्रिया के तहत भर्ती हुई है। भर्ती में लेन-देन की बात सामने आई है, जिसकी जांच कराई जा रही है। चयनित लोगों की जॉइनिंग प्रशासनिक कार्रवाई और निष्पक्ष जांच के बाद ही होगी।'

— डॉ. राज सिंह ठाकुर, सीएमएचओ कटनी

वेंकट वार्ड स्कूल में दिखी विद्यार्थियों की प्रतिभा

सेवा संकल्प अभियान में चार स्कूलों के विद्यार्थियों ने लिया हिस्सा

बैडमिंटन कोर्ट शुरू होने से खेल गतिविधियों को मिलेगा नया मंच

कटनी, यशभारत। सेवा संकल्प अभियान 2026 के तहत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय वेंकट वार्ड में विद्यार्थियों की रचनात्मकता और खेल प्रतिभा को मंच मिला। विद्यालय में चित्रकला और पददर्शनी का आयोजन किया गया, जिसमें वेंकट वार्ड के साथ खिरहनी, पहरुआ और कुठला के विद्यार्थियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने चित्रों और प्रदर्शनों के माध्यम से अपनी कल्पनाशीलता दिखाई। आयोजन का फोकस केवल प्रतियोगिता तक सीमित नहीं रहा, बल्कि विद्यार्थियों को रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ने और उनकी प्रतिभा को सामने लाने पर रहा। कार्यक्रम के दौरान विधायक संदीप जायसवाल ने विद्यालय में विद्यार्थियों की खेल गतिविधियों के लिए नवनिर्मित बैडमिंटन कोर्ट का



उद्घाटन किया। खेल सुविधा मिलने से अब विद्यार्थियों को विद्यालय परिसर में ही नियमित अभ्यास का अवसर मिलेगा। इस दौरान विद्यालय विकास से संबंधित घोषणा भी की गई। कार्यक्रम में पाषंड बीना बनर्जी, मंडल अध्यक्ष रजत जैन और महामंत्री प्रदीप

उपाध्याय मौजूद रहे।

विद्यालय प्राचार्य नीरजा मीता आनर्ल्ड की अध्यक्षता और वरिष्ठ शिक्षक प्रकाश नारायण द्विवेदी के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम में विद्यालय परिवार की सक्रिय भूमिका रही।

कृत्रिम गर्भाधान केंद्र मिला बंद, पशुपालकों को पड़ा लौटना

स्लीमनाबाद केंद्र पर बिना अवकाश चिकित्सक की गैरहाजिरी का मामला

उपसंचालक ने मांगी जानकारी और नोटिस के लिए निर्देश

कटनी, यशभारत। ग्रामीण पशुपालकों के लिए उपचार और कृत्रिम गर्भाधान जैसी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने वाले केंद्रों की मैदानी व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। बहोरीबंद विकासखंड के स्लीमनाबाद स्थित कृत्रिम गर्भाधान केंद्र में मंगलवार को अवकाश नहीं होने के बावजूद ताला लगा मिला। दूर-दराज से मवेशियों के उपचार और दवा के लिए पहुंचे पशुपालकों को बिना सुविधा मिले लौटना पड़ा। ग्रामीण क्षेत्रों में पशुधन किसानों की आय का महत्वपूर्ण हिस्सा है। ऐसे में पशु उपचार केंद्र का निर्धारित समय पर संचालन नहीं होना सीधे पशुपालकों को परेशानी बढ़ाता है। बारिश के मौसम में पशुओं में गलबोट सहित अन्य



बीमारियों का खतरा भी बना रहता है, इसलिए समय पर उपचार और विभागीय मार्गदर्शन की जरूरत रहती है। मामले ने विभाग की मैदानी निगरानी पर भी सवाल खड़े किए हैं। यदि केंद्र नियमित रूप से संचालित होना है तो बिना सूचना या स्वीकृत अवकाश के कर्मचारी को गैरहाजिरी पर निगरानी किस स्तर पर हो रही है, यह भी जांच का विषय है।

पशुपालकों का कहना है कि विभागीय योजनाओं और पशु स्वास्थ्य संबंधी जानकारी भी उन्हें नियमित रूप से नहीं मिलती।

लापरवाही पर नोटिस की तैयारी

पशु चिकित्सा एवं डेयरी विभाग की उपसंचालक डॉ. नीता मनोचा ने मामले को

गंभीरता से लेते हुए कहा कि स्लीमनाबाद केंद्र मंगलवार को बंद क्यों रहा, इसकी जानकारी ली जाएगी। संबंधित पशु चिकित्सक को कारण बताओ नोटिस जारी किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि पदीय दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और जरूरत पड़ने पर कार्रवाई की जाएगी।

नल-जल योजनाओं का हस्तांतरण अटका

पंचायतों को जिम्मेदारी सौंपने में सुस्ती

कटनी, यशभारत। गांवों में नल-जल योजनाएं तैयार होने के बावजूद उनके संचालन और रखरखाव की जिम्मेदारी ग्राम पंचायतों को सौंपने की प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई है। अब जिला पंचायत ने लंबित हस्तांतरण को लेकर जनपद पंचायतों पर निगरानी बढ़ा दी है। जिला पंचायत सीईओ हरसिमरनप्रीत कौर ने सभी जनपद सीईओ को योजनाओं का हस्तांतरण प्राथमिकता से पूरा कराने के निर्देश दिए हैं। निर्देशों में साफ किया गया है कि योजनाओं का संचालन कामजी प्रक्रिया तक सीमित न रहे। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग और ग्राम पंचायतों के बीच समन्वय कर जरूरी औपचारिकताएं पूरी की जाएं, ताकि योजना में खराबी आने पर स्थानीय स्तर पर उसके रखरखाव की जिम्मेदारी तय रहे और ग्रामीणों को पानी के लिए परेशान न होना पड़े। सीईओ ने अधिकारियों को केवल कार्यालय से प्रगति देखने के बजाय फील्ड विजिट कर योजनाओं की वास्तविक स्थिति जानने और नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए हैं। अब जनपद स्तर पर हस्तांतरण की प्रगति पर नजर रहेगी।

Reg.No. - 23101 गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और अनुसंधान हमारी प्रतिबद्धता एवं पहचान है.....

साईनाथ स्कूल ऑफ नर्सिंग

प्रवेश प्रारंभ 2026-27

श्री हॉस्पिटल एजुकेशनल एंड स्पोर्ट्स एवं सोयायटी द्वारा संचालित

PNST (अ.प्र. नर्सिंग) कोस काउंसिल 10 जुलाई 2025 को

ANM, GNM, P.B.Sc., M.Sc. (अ.प्र. नर्सिंग) कोस काउंसिल 10 जुलाई 2025 को

रबी कोस INC वी नर्सिंग कोस काउंसिल 10 जुलाई 2025 को

ANM 2 वर्षीय कोर्स

GNM 3 वर्षीय कोर्स

B.Sc. नर्सिंग 4 वर्षीय कोर्स

M.Sc. नर्सिंग 2 वर्षीय कोर्स

P.B.B.Sc. नर्सिंग 2 वर्षीय कोर्स

D.El.Ed. 2 वर्षीय कोर्स

नर्सिंग करियर की ओर एक कदम

उच्चतम भविष्य और सम्मानजनक करियर

आधुनिक लेब और हॉस्पिटल ट्रेनिंग

कुशल एवं अनुभवी फैकल्टी

छात्रवृत्ति की सुविधा उपलब्ध

राज्य सरकार द्वारा प्रदत्त SC/ST/OBC/अल्पसंख्यक उच्च शिक्षा छात्रवृत्तियां

सिटी ऑफिस

संपर्क नंबर

8962262200

9752414319

9425325316

श्री हॉस्पिटल, एम.एम. चौबे वार्ड, एन.एच. 1, बरगांव रोड, कटनी (म.प्र.)

एम.जी.एम. स्कूल/कॉलेज ऑफ नर्सिंग

कटनी (म.प्र.)

प्रवेश प्रारंभ

शैक्षणिक सत्र 2026-27 हेतु

सीटें सीमित हैं

शीघ्र आवेदन करें!

बी.एससी. नर्सिंग 4 वर्ष डिग्री कोर्स (MNC दिशानिर्देशों के अनुसार)

जी.एन.एम. नर्सिंग 3 वर्ष डिग्री कोर्स (MPNRC मान्यता प्राप्त)

कक्षा

कौशल

समर्पण

एम.जी.एम. स्कूल/कॉलेज ऑफ नर्सिंग, कटनी (म.प्र.)

प्रवेश जानकारी हेतु संपर्क करें

7771001902

पता

कवहरी स्क्वायर, फोरिस्टर पेसाइड के सामने, कटनी (म.प्र.)

वेबसाइट

www.mgmcollegeofnursing.in

INSTAGRAM: mgm_college_of_nursing_katni

FACEBOOK: Mgm Nursing

यशभारत : सेल्फी विथ श्रीगणेश



राजकुमार पाल मिशन चौक कटनी।



राजकन्या पाल।



अमकुही रोड पर स्थापित गणेश प्रतिमा।



रवि देवनाली, माधवनगर।



प्राची खरे, कुठला।



सारिका शुभा, कटनी।

300 गुण्डे-बदमाशों पर पुलिस की पैनी नजर

हॉटस्पॉट एवं शैडो एरिया में पुलिस की सघन चेकिंग



कटनी, यशभारत। जिले में अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण बनाए रखने तथा कानून व्यवस्था को सुदृढ़ एवं चुस्त दुरुस्त रखने के उद्देश्य से सभी थाना क्षेत्रों में सरप्राइज सघन चेकिंग एवं पेट्रोलिंग अभियान लगातार जारी है। अभियान के दौरान पुलिस टीमों द्वारा जिले के हॉटस्पॉट एवं शैडो एरिया में सघन चेकिंग एवं निगरानी की गई। वहीं संवेदनशील क्षेत्रों में पैदल भ्रमण एवं बाइक पेट्रोलिंग करते हुए

संदिग्ध व्यक्तियों एवं संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष नजर रखी गई। अभियान के तहत पुलिस द्वारा क्षेत्र के गुंडे बदमाशों, नकबजनों, लुटेरों, चाकूबाजों, निगरानीशुदा बदमाशों, जिलाबंदर एवं रासुका के आरोपियों सहित विभिन्न आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त रहे 334 व्यक्तियों की चेकिंग एवं निगरानी की गई। चेकिंग के दौरान संबंधित व्यक्तियों को कानून एवं शांति व्यवस्था का उल्लंघन नहीं करने

तथा भविष्य में किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि में संलिप्त पाए जाने पर वैधानिक कार्रवाई किए जाने के संबंध में सख्त हिदायत दी गई। पुलिस टीमों द्वारा अपराध की दृष्टि से संवेदनशील एवं चिन्हित हॉटस्पॉट तथा शैडो एरिया में लगातार भ्रमण एवं चेकिंग की गई। पुलिस की अलग-अलग टीमों ने क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तियों की गतिविधियों पर नजर रखते हुए आवश्यक कार्रवाई की गई।

वैधानिक कार्रवाई की। होटल, लॉज, ढाबों एवं सार्वजनिक स्थानों पर चेकिंग अभियान के दौरान होटल एवं लॉज, रैन बसेरा, ढाबे, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड एवं अन्य सार्वजनिक स्थानों पर भी विशेष चेकिंग की गई। यहां ठहरे एवं आने-जाने वाले संदिग्ध व्यक्तियों की जानकारी ली गई तथा संदिग्ध गतिविधियों की निगरानी करते हुए आवश्यक कार्रवाई की गई।



अवैध शराब के विरुद्ध बड़वारा पुलिस की कार्रवाई

बाइक से 60 लीटर कच्ची महुआ शराब परिवहन करते 2 आरोपी गिरफ्तार कटनी, यशभारत। जिले में अवैध शराब के निर्माण, विक्रय परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध बड़वारा पुलिस द्वारा बड़ी कार्रवाई की गई। थाना प्रभारी सुयश पांडे ने बताया कि बड़वारा पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम गुंडा मोड़ यात्री प्रतीक्षालय के पास दो व्यक्ति काले रंग की बजाज प्लेटिना मोटरसाइकिल पर प्लास्टिक के गुम्रों में भरी मात्रा में अवैध शराब लेकर ग्राहकों के इंतजार में खड़े हैं। सूचना पर पुलिस टीम द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की गई। पुलिस को देखकर दोनों व्यक्ति यों ने भागने का प्रयास किया, जिन्हें स्टाफ की मदद से पकड़ लिया गया। पुलिस ने आरोपियों नरेश कोल पिता बिहारीलाल कोल, शनि कुमार केवट पिता लखनलाल केवट दोनों निवासी ददरी मोहल्ला विलायत कला को हिरासत में लिया। मोटरसाइकिल पर रखे चार प्लास्टिक के गुम्रों की जांच करने पर उनमें हाथ भरी की कच्ची महुआ शराब होना पाया गया। प्रत्येक गुम्रों में लगभग 15-15 लीटर शराब भरी हुई थी। पुलिस ने मौके से 60 लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब एवं घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल जब्त की। दोनों आरोपियों को मौके पर गिरफ्तार कर बड़वारा थाने लाया गया, जहां आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। कार्रवाई में थाना प्रभारी सुयश पाण्डे, सजिब रामनाथ साकेत, आरक्षक गौरीशंकर, आरक्षक शिवप्रकाश तिवारी एवं आरक्षक बृजलाल प्रजापति की विशेष भूमिका रही।

आरसीसी रोड के ऊपर फिर सीसी रोड बनाने का विरोध

जलभराव की आशंका, नागरिकों ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन, निर्माण रोकने की मांग

पवई, यशभारत। नगर पंचायत पवई के बीच से गुजरने वाले पन्ना-कटनी मुख्य मार्ग पर पहले से बनी आरसीसी सड़क के ऊपर दोबारा सीसी रोड बनाए जाने का नगरवासियों ने विरोध किया है। नगरवासियों ने एसडीएम समीक्षा जैन को ज्ञापन सौंपकर निर्माण कार्य रोकने की मांग की। नागरिकों ने बताया कि भारी वाहनों के लिए बाइपास पहले ही बन चुका है और वर्तमान में मुख्य मार्ग पर यात्री बसों व स्थानीय लोगों का आवागमन होता है। इसके बावजूद पुरानी आरसीसी सड़क के ऊपर नई सीसी सड़क बनाई जा रही है। सड़क की ऊंचाई बढ़ने से बारिश के दौरान आसपास के घरों में पानी घुसने की आशंका जताई गई है। नगरवासियों का कहना है



कि पहले से बनी सड़क के ऊपर दोबारा सड़क निर्माण का औचित्य स्पष्ट नहीं है। उन्होंने जनहित को देखते हुए निर्माण कार्य की जांच कराकर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। ज्ञापन देने में शामिल प्रभाशंकर गर्ग, अजय देव बुंदेला,

रामसेवक सिंगरौल, मुकेश बागरी, रामलखन जायसवाल सहित बड़ी संख्या में नगरवासी मौजूद रहे।

आमजन और व्यापारियों में नाराजगी

सीसी सड़क निर्माण को लेकर आमजन और व्यापारियों की नाराजगी एक बार फिर सामने आई है। निर्माण को लेकर ब्लॉक कांफ्रेंस कमिटी सहित व्यापारी वर्ग द्वारा प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर आपत्ति दर्ज कराई जा चुकी है। इसके बावजूद अब दोबारा सीसी निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है। निर्माण शुरू होने के बाद नगरवासियों में इस बात को लेकर सवाल उठ रहे हैं कि जब सड़क पहले से मजबूत और सीसी बनी हुई है तो

अवैध शराब बिक्री को लेकर महिलाओं ने घेरा कलेक्ट्रेट

नारेबाजी के बीच किया प्रदर्शन, पुलिस पर लगाए गंभीर आरोप

कटनी, यशभारत। शहर सहित समूचे जिले में शराब की अवैध रूप से खुलेआम बिक्री और चाकूबाजी की बढ़ती घटनाओं के विरोध में आज कुठला बस्ती एवं अन्य क्षेत्रों से बड़ी तादात में महिलाओं ने कलेक्ट्रेट में जोरदार प्रदर्शन किया। हाथों में लाठी डंडा लेकर कलेक्टर कार्यालय पहुंची महिलाओं का साफकहना था कि अवैध शराब की बिक्री करने वालों पर पुलिस यदि कार्रवाई नहीं करती है तो फिर उन्हें ही आगे आना होगा। महिलाओं ने दो टूक कहा कि पुलिस कार्रवाई मात्र दिखावा है। कार्रवाई के बाद भी अवैध शराब के कारोबार में लिप्त लोगों के हौंसले बुलंद हैं। वे बरितियों में खुल्लम खुल्ला शराब की बिक्री कर रहे हैं। महिलाओं



ने जोरदार नारेबाजी करते हुए कहा कि यदि शराब की पेकारी बन्द नहीं कराई गई तो वे अब ऐसा करने वालों

से खुद निपटेगी। प्रदर्शन के दौरान डीएसपी शिवा पाठक एवं डीएसपी रत्नेश मिश्रा ने ज्ञापन लेते हुए कार्रवाई का भरोसा दिलाया।

निवार में जुआ फड़ का संचालन

प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष डॉ ए के खान ने पुलिस अधिकारियों को बताया कि निवार पुलिस चौकी के अंतर्गत ग्राम टेढ़ी में जुआ फड़ संचालित किया जा रहा है लेकिन पुलिस कार्रवाई नहीं कर रही है। गांव का युवा जुआ फड़ में जाकर बर्बाद हो रहा है। पुलिस को सूचना दिए जाने के बाद भी कार्रवाई नहीं कि जा रही। उन्होंने बरगावां शराब

दुकान के बाजू से धार्मिक स्थल की मौजूदगी का मुद्दा उठाते हुए पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों से कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत हो रही है। धार्मिक स्थल से सटकर संचालित शराब दुकान को अन्यत्र स्थानांतरित करवाना चाहिए।

बढ़ती आपराधिक वारदातों से दहशत

इस अवसर पर चैतन्य पटेल ने शहर की। कानून व्यवस्था को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि आए दिन चाकूबाजी की घटनाएं हो रही हैं। आपराधिक तत्वों में पुलिस का कोई खौफ नहीं रह गया है।

ट्रक में भेंडों का क्रूरतापूर्वक परिवहन पुलिस ने 302 पशुओं को मुक्त कराकर दर्ज किया मामला

कटनी, यशभारत। झिंझरी पुलिस ने पशुओं के क्रूरता परिवहन के खिलाफ कार्रवाई की है। देवरीटोला फॉरेस्ट नाका के पास घेराबंदी कर पुलिस ने ट्रक को रोकना, जिसमें दूध-दूधकर भरी गई 302 भेंडों को मुक्त कराया गया। पुलिस ने ट्रक चालक को गिरफ्तार करने के साथ ही वाहन मालिक के खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम और मोटर व्हीकल एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। जानकारी के मुताबिक माधवनगर थाने में पदस्थ सहायक उपनिरीक्षक शशिभूषण सिंह को 22 सितंबर की रात 20.30 बजे गश्त के दौरान सूचना मिली कि एक ट्रक में अवैध रूप से मवेशियों को क्रूरतापूर्वक ले जाया जा रहा है।



सरस्वती विद्यालय में सामूहिक वंदे मातरम का गायन यशभारत। विजयराघवगढ़ नगर स्थित सरस्वती विद्यालय में कल 25 सितंबर बुधवार को सुबह 10.30 बजे वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के शुभ अवसर पर विद्या भारती संस्थान द्वारा सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय में वंदे मातरम सामूहिक गायन का आयोजन किया गया है। वंदे मातरम गायन सरस्वती विद्यालय में एक साथ स्वर के साथ गायन किया जाना सुनिश्चित हुआ है। गायन में सक्रियता लेकर विद्य कीर्तिमान वंदे मातरम गायन में साक्षी बने।

डॉ. धर्मेन्द्र सिंह बागरी
एमडी जनरल मेडिसिन
Ex_senior Resident, cardiology

- ECG एवं PFT (Spirometry) की सुविधा
- 2D ECHO व कलर डॉपलर ईको कार्डियोग्राफी
- हृदय रोग संबंधी सभी प्रकार की समस्याएं (हार्ट अटैक, हार्ट फेलियर)
- बी.पी., डायबिटीज(शुगर) थायरॉइड एवं श्वास संबंधित सभी समस्याएं
- जोड़ों में दर्द गठिया वात से संबंधित सभी समस्याएं
- जनरल मेडिसिन से सम्बंधित समस्याओं के उपचार हेतु।

समय : सुबह 10 से 2 बजे तक, सायं 5.30 से 8 बजे तक (रविवार वलीनिक बंद रहेगा)

Reg.No.- MP25236
+91 8602054967
+91 8602915994
dsbagri@cbcarehealth.in

डन कॉलोनी मोड़, बस स्टॉप मेन रोड, बरगवां, कटनी

DLG CINEMAS
माधवनगर गेट के पास, कटनी (म.प्र.) फोन 07622-299299

FROM 19 SEPTEMBER 2026

MIRZAPUR
2:00, 5:45 PM
9:30 PM

HANUMAN ANSH
1:00, 4:00 PM
7:00, 10:00 PM

BOOKING OPEN NOW KINDLY VISIT [bookmyshow](https://bookmyshow.in)

बुकिंग के लिये संपर्क करें Ph. 07622-473999

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग,(भ/स) संभाग कटनी (म.प्र.)
E-mail- ceepwdkatni@nic.in Phone No. 07622-224277

निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 16/प.ले.नि./2026-27 कटनी, दिनांक 21/09/2026

कठप्रदेश शासन लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीयकृत व्यवस्थापन के अन्तर्गत ठेकेदार से राज्यपाल की ओर से निर्माणाधीन कार्यों हेतु प्रमुख अभियंता लोक निर्माण विभाग भोपाल की प्रभावशील दर अनुसूची दिनांक 01.01.2024 (मन) तथा दिनांक 11.04.2026 (सड़क) समस्त संशोधन सहित कार्य हेतु निविदाएं आनलाईन **Appendix 2.10** निविदा में आमंत्रित की जाती है बिड सेल आनलाईन <https://mptenders.gov.in> पर प्राप्त की जा सकेगी। निविदाएं सम्बंधित कार्यालय में टेण्डर टाईम सैड्यूल के अनुसार खोली जायेगी।

क्र.	टेण्डर आरटी. क्रमांक	जिला	एन.टी.आर.	कार्य का प्रकार	कार्य का नाम	आमंत्रण क्र.	अनुमानित लागत राशि (रु.लाख में)	कार्य की अनुमानित राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्यपत्र करने की समाप्ति तिथि
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	2026.PWDRB 537508_1	कटनी	01.01.24	मकन	पुराने कलेक्ट्रेट मकन के सीटिंग हाल में कारेल सीटिंग एवं कनिष्ठ का कार्य	तृतीय	15.03	30060	2000	2 माह
योग							15.03			

निविदा की कुल अनुमानित राशि रुपये 15.03 लाख (पंद्रह लाख तीन हजार मात्र)

उपरोक्त वेबसाइट में आन लाईन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र कन करने तथा आनलाइन बिड सबमिशन की अंतिम तिथि 01.10.2026 सायं 17.30 बजे तक निर्धारित है। ई.प.टी. केवल आरटी.सी.एस./एन.टी.एस.टी. एवं अन्य दस्तावेज केवल आनलाईन माध्यम से ही प्राप्त की जायेगी। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी का विवरण शासन की वेबसाइट <https://mptenders.gov.in> पर देखी जा सकती है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। शुल्क से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

G-18920/26

कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग(भ/स) संभाग कटनी

JOIN US :

MIRZAPUR
11 सितम्बर से रोजाना 3 शो
AUDI-1 AUDI-1 AUDI-2
03:30PM | 06:30PM | 10:15PM

HANUMAN ANSH
11 सितम्बर से रोजाना 3 शो
AUDI-2 AUDI-1 AUDI-1
09:45AM | 12:30PM | 09:45PM

HANUMAN ANSH
11 सितम्बर से रोजाना 4 शो
AUDI-1 AUDI-2 AUDI-2 AUDI-2
09:00AM | 01:30PM | 04:15PM | 07:15PM

 यशोभारत	
 संपादकीय	
चुनाव आयोग पर उठते सवाल	
लोकतंत्र में भरोसा सबसे बड़ी कसौटी	
मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग के भीतर मतभेदों की रिपोर्ट ने देश में नई बहस की ज्वम दे दिया है। चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी द्वारा पिछले 10 महीनों में 14 बार अनेक सुर्दों पर लिखित आपत्तियां दर्ज किए जाने की जानकारी सामने आते ही पूरा विपक्ष मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर हमलावर हो गया है। आरोपों के छींटे सतारुद्ध भाजपा के दामन को मेलाल कर रहे हैं। लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने ‘वोट चोरी’ को भारतीय लोगों के खिलाफ अपराध और संविधान पर सीधा हमला बताया। कांग्रेस की ओर से मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के पद पर बने रहने के अधिकार पर भी सवाल उठाए गए हैं। विपक्ष के कुछ नेताओं ने महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में हुए हालिया विधानसभा चुनावों को निरस्त कर दोबारा मतदान कराने जैसी मांगें भी रखी हैं। दूसरी ओर, भाजपा ने इन आरोपों को खारिज किया है। भाजपा सांसद पद्म प्रवक्ता संजित पात्रा ने कहा कि आयोग के भीतर चर्चा और अलग-अलग राय लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा है तथा विपक्ष जनदेश खेले के कारण संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठा रहा है। उनका कहना है कि अंतिम फैसले तीनों चुनाव आयुक्तों की सहमति से हूए। चुनाव आयोग का अपना पक्ष भी उत्तना ही महत्वपूर्ण है। आयोग ने कहा है कि लिखित नोट, टिप्पणियां, तकवीकी सुझाव और आंतरिक जांच-पड़ताल बहुसदस्यीय संवैधानिक संस्था की सामान्य कार्यप्रणाली का हिस्सा है। आयोग के अनुसार पिछले एक वर्ष में चुनाव सुधार की करीब 40 पहल की गई और केवल दस महीनों की टिप्पणियों या आपत्तियों के आधार पर पूरी तस्वीर नहीं देखी जा सकती। आयोग ने यह भी स्पष्ट किया कि अलग राय को औपचारिक असहमति मानना उचित नहीं है और उसके सभी निर्णय स्थापित वैधानिक प्रक्रिया के तहत हूए हैं। सवाल यह है कि अंतिम निर्णय किस प्रक्रिया से हुआ, संबंधित सदस्यों को पर्याप्त जानकारी मिली या नहीं, आपत्तियों पर क्या विचार हुआ और मतदाता को इसका भरोसेमंद उत्तर कैसे मिलेगा। इसी बीच चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति की प्रक्रिया के तहत सुप्रीम कोर्ट का ताजा घटनाक्रम भी महत्वपूर्ण है। 23 सितंबर को दो व्याख्याओं की पीठ ने इस मुद्दे पर अलग-अलग राय दी और मामला संविधान पीठ के समक्ष जाने का रस्ता खुला। 2023 के कागून के तहत नियुक्ति समिति में प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता और प्रधानमंत्री द्वारा नामित केंद्रीय मंत्री शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट में इसी व्यवस्था की संवैधानिकता को चुनौती दी गई है। दरअसल एसआईआर का विवाद अब केवल मतदाता सूची के पुनरीक्षण तक सीमित नहीं रह गया है। इसके तीन आयाम हैं—मतदाता सूची की शुद्धता, चुनाव आयोग की आंतरिक निर्णय प्रक्रिया और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति की संस्थागत स्वतंत्रता। कांग्रेस द्वारा ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने और उनके कार्यकाल में हुए चुनावों पर सवाल उठाने की मांग राजनीतिक रूप से बहुत गंभीर है। लेकिन किसी भी चुनाव को निरस्त करके जैसा कदम केवल राजनीतिक आरोपों के आधार पर नहीं, बल्कि ठोस प्रमाण, कागूनी प्रक्रिया और सक्षम संवैधानिक अथवा न्यायिक निर्णय के आधार पर ही तय किया जा सकता है। इसी तरह आयोग की ओर से सर्वसम्मति का दावा भी तभी जनता का विश्वास पूरी तरह मजबूत कर सकता है, जब महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं और निर्णयों से जुड़े तथ्य पर्याप्त रूप से स्पष्ट किए जाएं। आज आवश्यकता आरोपों की तीव्रता बढ़ाने की नहीं, तथ्यों की स्पष्टता बढ़ाने की है। यदि आपत्तियां दर्ज हुई हैं तो उनकी प्रकृति क्या थी? किन निर्णयों पर उठी? उनका समाधान कैसे हुआ। एसआईआर में नाम जोड़ने या हटाने की प्रक्रिया कितनी पारदर्शी है? राजनीतिक दलों और नागरिकों को उपलब्ध डेटा की स्वतंत्र जांच की क्या व्यवस्था है? ऐसे सवालों के जवाब सार्वजनिक होंगे तो विवाद स्वतः तथ्य और कागून की कसौटी पर आ जाएगा। लोकतंत्र में सत्ता पक्ष को संवैधानिक संस्थाओं की विस्वसनीयता बनाए रखने की जिम्मेदारी है, तो विपक्ष की जिम्मेदारी भी यह सुनिश्चित करने की है कि गंभीर आरोप प्रमाण और तथ्यों के साथ रखे जाएं। चुनाव आयोग की जिम्मेदारी इसने की बड़ी है—उसे केवल निष्पक्ष होना ही नहीं, बल्कि जनता को उसकी निष्पक्षता दिखाई भी देने चाहिए। आखिरकार चुनाव किसी सरकार, विपक्ष या किसी एक संस्था का किसी विषय नहीं है। यह उस नागरिक का अधिकार है जो मतदान केंद्र तक पहुंचकर अपना प्रतिनिधि चुनता है। इसलिए इस पूरे विवाद का अंतिम केंद्र न कांग्रेस होना चाहिए, न भाजपा और न ही कोई व्यक्ति-केंद्र में होना चाहिए भारत के मतदाता का विश्वास।	
 कड़वे वचन	
आदमी जब अपनीलड़कीके लिए लड़का देखने जाता है तो पत्नी ध्यान से कहती किदो बातों का ध्यान रखना एक लड़का खाते पीते घर का हो। दो मगर खाता पीता नहीं हो। दोनों बातों में बड़ा विरोधाभास है पर समझने वाला इसका मतलब समझता है। फिर पता नहीं क्यों लोग जिंदगी का मतलब नहीं समझते। अरे भाइ जीना है तो जीना (सीढ़ियां) तो चढ़ना ही पड़ेगा।	
 आज का राशिफल	
पंचांग:- 24 सितंबर 2026 दिन-शुक्रवार, माह- भाद्र शुक्ल पक्ष विक्रम संवत् 2083	ज्योतिषाचार्य विलास लोकेश व्यास
मेघ सू. रे. गो. का. ली. बु. ले. ली.आ दिन खुशनुमा रहने वाला है किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है	वृष दु. रे. गो. आ. ली. च. वृ. रे. गो पारिवारिक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है धैर्य के साथ आगे बढ़े
मिथुन का. कु. कर्. रा. म. म. क. के. कर्. क आज का दिन व्यापार के लिए कोई नई योजना बनाने के लिए है सफलता मिलेगी	कर्क ली. दु. रे. गो. वृ. ली. कु. दु. रे. गो आज का दिन रचनात्मक कार्य करने में व्यतीत होने वाला है अपनी सुख सुविधाओं के सामान पर खर्च कर सकते हैं
सिंह भा. गो. मी. मी. मी. च. वृ. दु. रे दिन बुद्धि व विवेक से निर्णय लेने के लिए रहने वाला है आत्मविश्वास में वृद्धि होगी	कन्या ली. का. चि. दु. म. च. वृ. दु. रे विद्यार्थी वर्ग को अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है मानसिक तनाव को कम करने की कोशिश करें
तुला रा. री. क. रे. रे. का. ली. च. वृ. रे. गो निवेश करने से पहले अच्छी तरह सोच समझ ले बड़ों की सलाह को मानकर कार्य करें	वृश्चिक गो. गो. आ. गो. म. म. म. का. ली. च. वृ. रे. गो अजनबियों से सावधानी बरते किसी की भी बहकावे में ना आए
धनु गो. गो. भा. गो. मी. भा. का. वृ. रे. गो दिल लाभदायक रहने वाला है मान सम्मान में वृद्धि होगी	मकर मी. आ. जी. ली. वृ. कु. गो. मी. च. वृ. रे. गो अटका हुआ कार्य पूरे होने के संकेत दिखा रहे हैं मेहनत करें सफलता मिलेगी
कुंभ गु. रे. गो. रा. म. म. रे. रे. गो दिन भर आलस महसूस कर करेगे कार्य पूरे होने में रुकावट आ सकती हैं	मीन ली. दु. रे. गो. आ. रे. गो. का. ली पारिवारिक माहौल खुशनुमा रहेगा दिन अच्छा व्यतीत करेगे

विचार प्रवाह

हरित खेती का हिसाब खेत से मंडी तक: किसान की जेब में कितना बचा

मौसम अब सिर्फ मौसम नहीं रहा। किसान के लिए यह उसकी फसल का हिसाब है। बारिश कब होगी, कितनी होगी, गर्मी कितनी पड़ेगी और फसल पकने के समय मौसम साथ देगा या नहीं—इन सवालों के जवाब पहले जैसे तय नहीं रहे। किसान जलवायु परिवर्तन को किसी रिपोर्ट या सम्मेलन की भाषा में नहीं समझता। वह इसे खेत में महसूस करता है। कभी फसल के नुकसान में, कभी बढ़ती सिंचाई लागत में और कभी एक ही मौसम में बदलते फैसलों में। 19 सितंबर को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में राष्ट्रीय हरित अधिकरण यानी ह्रत्नञ्ज के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन ‘द पयूचर ऑफ एनवायरनमेंट एंड क्लाइमेट डायनेमिक्स’ का उद्घाटन करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन से निपटने के भारत के प्रयासों की तस्वीर सामने रखी। खेती और गांव भी इस तस्वीर का हिस्सा थे। प्रधानमंत्री के मुताबिक, राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के तहत करीब साढ़े 12 लाख हेक्टेयर में 24 हजार प्राकृतिक खेती क्लस्टर बनाए जा चुके हैं। उन्होंने करीब तीन हजार जलवायु-अनुकूल फसल किस्में विकसित होने की भी बात कही। जल संरक्षण के संदर्भ में 70 हजार से अधिक अमृत सरोवर और ‘कैच द रेन’ अभियान के तहत करीब डेढ़ करोड़ वर्षाजल संचयन संरचनाओं का जिक्र भी उनके भाषण में आया। तस्वीर बड़ी है। आंकड़े भी बड़े हैं। लेकिन खेत में खड़े किसान के लिए सवाल थोड़ा अलग है। इन बदलावों से उसकी खेती कितनी बदली? प्राकृतिक खेती का क्षेत्र बढ़ना एक उपलब्धि हो सकती है। जल संरक्षण के लिए ढांचा खड़ा होना भी जरूरी है। जलवायु के अनुकूल बीज विकसित होना भी समय की जरूरत है। लेकिन किसान के लिए इन सबका मतलब आखिर क्या है?

खेती की लागत कितनी कम हुई?

फसल कितनी सुरक्षित हुई? और सबसे आखिर में—उसके हाथ में कितना बचा? यहीं से पर्यावरण की चर्चा किसान की अर्थव्यवस्था से जुड़ती है। किसान को बीज, खाद, कीटनाशक, डीजल, बिजली और मजदूरी का खर्च घटना पड़ता है। ऊपर से मौसम का जोखिम। ऐसे में प्राकृतिक खेती से अगर बाहरी इनपुट पर निर्भरा घटती है और मिट्टी की सेहत सुधरती है तो यह किसान के लिए राहत हो सकती है। सरकार भी राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन को लागत कम करने, मिट्टी का स्वास्थ्य सुधारने और एटिकाऊ कृषि को

पाकिस्तान में आतंक का पलटवार

कश्मीर के लिए पाली गई आतंकी फैक्टरी अब पाकिस्तान को ही निगल रही

पाकिस्तान के खेबर पख्तूनख्वा के कोहाट में सेना और आतंकियों के बीच करीब 20 घंटे चली मुठभेड़ में आठ आतंकी मारे गए। यह घटना पाकिस्तान में तेजी से बढ़ रही आतंकी हिंसा की उस तस्वीर का हिस्सा है, जिसमें आतंकवादी संगठन लगातार सुरक्षा बलों और नागरिकों के लिए चुनौती बने हुए हैं। कोहाट की घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा किया है कि आतंकवाद को लंबे समय तक रणनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने वाला पाकिस्तान अब स्वयं उसी आतंक की आग में क्यों झुलस रहा है। पाकिस्तान इंस्टीट्यूट फॉर कॉन्फ्लिक्ट एंड सिक्योरिटी स्टडीज के आंकड़े बताते हैं कि जनवरी से अगस्त 2026 तक पाकिस्तान में 990 आतंकी हमले हुए और इनमें 1126 लोगों की मौत हुई। आठ महीनों के आंकड़े यह बताते हैं कि आतंकवाद पाकिस्तान की आंतरिक सुरक्षा के लिए लगातार बड़ा खतरा बना हुआ है। अगस्त में 199 हमले दर्ज किए गए, जो इस वर्ष के शुरुआती आठ महीनों में किसी एक महीने में सबसे अधिक हैं। आंकड़ों पर नजर डालें तो जनवरी में 87 आतंकी हमले हुए और 105 लोगों की मौत हुई। फरवरी में 83 हमलों में 139 लोगों की जान गई। मार्च में 106 हमलों में 146 मौतें दर्ज की गईं। अप्रैल में 85 हमले हुए और 60 लोगों की मौत हुई। मई में 160 हमलों में 128 लोगों की जान गई। जून में 112 हमले हुए और 118 मौतें दर्ज की गईं। जुलाई में 144 हमलों के साथ 268 मौतें हुईं, जबकि अगस्त में 199 हमलों में 158 लोगों की जान गई।

कश्मीर के नाम पर तैयार आतंक का खेल अब पाकिस्तान पर भारी

पाकिस्तान ने लंबे समय तक जम्मू-कश्मीर में भारत विरोधी आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले संगठनों को पनाह देने के आरोपों का सामना किया है। कश्मीर को भारत से अलग करने के उद्देश्य से आतंकवादी संगठनों का इस्तेमाल करने की नीति ने लंबे समय तक क्षेत्र में हिंसा को जन्म दिया। आतंकवादियों ने नागरिकों और सुरक्षा बलों को निशाना बनाया और इसके कारण जम्मू-कश्मीर में बड़ी संख्या में लोगों को जान गंवानी पड़ी। लेकिन आतंकवाद की सबसे बड़ी त्रासदी यही है कि वह जिस दिशा में भेजा जाता है, वहीं तक सीमित नहीं रहता। पाकिस्तान में आज तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान, बलूच उग्रवादी संगठन और इस्लामिक स्टेट से जुड़े गुटों की हिंसक गतिविधियां वहां की सुरक्षा व्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती बनी हुई हैं। खेबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान आतंकवादी हिंसा के प्रमुख केंद्र हैं और इन क्षेत्रों में सुरक्षा बलों को लगातार अभियान चलाने पड़ रहे हैं। कहते हैं कि बोए पेड़ बबूल के तो आम कहाँ से खाएं। कश्मीर को हड़पने के लिए पाकिस्तान ने जिस आतंकवादी ढांचे को वर्षों तक सहारा दिया, उसका दुष्परिणाम आज पाकिस्तान के भीतर दिखाई दे रहा है। आतंकवादियों ने पाकिस्तान के नागरिकों, पुलिसकर्मियों और सुरक्षा बलों को भी निशाना बनाया है। जिस आतंकवाद को कभी दूसरे देश के खिलाफ इस्तेमाल करने का माध्यम समझा गया, वही अब पाकिस्तान की आंतरिक सुरक्षा को कमजोर करने वाला बड़ा कारण बन रहा है।

आतंकवाद को किसी देश की नीति का औजार बनाना अतंतः उसी देश के लिए संकट पैदा कर सकता है। जब आतंकवादी संगठनों को संरक्षण, संसाधन या सुरुक्षित ठिकाने मिलते हैं तो उनके लिए लक्ष्य की सीमा तय रखना कठिन हो जाता है। एक संगठन दूसरे संगठन से जुड़ता है और अलग-अलग गुट अपने हितों के अनुसार हिंसा का रास्ता अपनाते हैं। पाकिस्तान में उभरती आतंकी चुनौती इसी जटिल स्थिति को दर्शाती है।

आंकड़े बता रहे पाकिस्तान में बढ़ता आतंकवाद

पाकिस्तान में 2026 के आंकड़ों का सबसे चिंताजनक पहलू हमलों की लगातार ऊंची संख्या है। आठ महीनों में 990 हमलों का अर्थ है कि औसतन हर महीने सौ से अधिक आतंकी घटनाएं दर्ज हुईं। अगस्त में 199 हमलों के साथ हिंसा का आंकड़ा सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंचा। जुलाई में 268 मौतों का आंकड़ा बताता है कि कम संख्या में हुए हमले भी कई बार अत्यधिक घातक साबित हुए। आतंकी हमलों में हुई मौतों और आतंकवाद के खिलाफ सुरक्षा अभियानों में हुई मौतों को अलग-अलग समझना जरूरी है। सुरक्षा अध्ययन संस्थाओं के आंकड़ों में कई बार आतंकवादी हमलों के साथ जनजीव कारबाई में मारे गए आतंकियों और सुरक्षा अभियानों में हुई अन्य मौतों को भी व्यापक संघर्ष आंकड़ों में शामिल किया जाता है। इसलिए अलग-अलग रिपोर्टों में कुल मौतों के आंकड़े अलग दिखाई दे सकते हैं। उदाहरण के तौर पर जनवरी 2026 में आतंकी हमलों में 105 लोगों की मौत दर्ज की गई थी। वहीं आतंकवादी हिंसा और सुरक्षा अभियानों को मिलाकर व्यापक संघर्ष आंकड़ा 361 मौतों तक पहुंचा था। इसमें 242 आतंकी, 73 नागरिक और 46 सुरक्षा बलों के जवान शामिल बताए गए। जुलाई में सुरक्षा अभियानों में 2026 के शुरुआती चार महीनों में भी पाकिस्तान में 401 आतंकी हमले दर्ज किए गए थे। इस अवधि में 190 नागरिकों और 158 सुरक्षा बलों के जवानों की मौत का आंकड़ा सामने आया। सुरक्षा अभियानों में 988 आतंकियों के मारे जाने की जानकारी भी दी गई थी। ये आंकड़े बताते हैं कि पाकिस्तान में आतंकवाद केवल हमलों की संख्या का विषय नहीं है, बल्कि उसके खिलाफ चल रहे सैन्य और सुरक्षा अभियानों ने भी देश के कई हिस्सों में संघर्ष की स्थिति पैदा कर दी है। वैश्विक आतंकवाद सूचकांक 2025 में पाकिस्तान को दुनिया में आतंकवाद से दूसरे सबसे अधिक प्रभावित देश के रूप में रखा गया था। रिपोर्ट में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान की हिंसक गतिविधियों में बड़ी वृद्धि का उल्लेख किया गया था। 2024 में इस संगठन से जुड़े 482 हमलों में 558 लोगों की मौत का आंकड़ा दिया गया था।

(लेखक – कातिलाल मांडोट)



बढ़ावा देने से जोड़ती है। इस मिशन के तहत किसानों को दो वर्षों तक प्रति एकड़ सालाना चार हजार रुपये का उत्पादन आधारित प्रोत्साहन भी दिया जाता है, अधिकतम एक एकड़ तक। लेकिन किसान के सामने एक और सवाल है कि बदलाव का जोखिम कौन उठाएगा? अगर वह खेती का तरीका बदलता है और शुरुआती दौर में उपज प्रभावित होती है तो क्या होगा? नई पद्धति की जानकारी नहीं है तो कौन साथ खड़ा होगा? और प्राकृतिक तरीके से पैदा की गई फसल बाजार में पहुंचने के बाद क्या सामान्य फसल की तरह ही बिकेगी या किसान को कोई अतिरिक्त लाभ मिलेगा? ये छोटे सवाल नहीं हैं। इसीलिए प्राकृतिक खेती की बहस को सिर्फ ‘रसायनिक बनाम प्राकृतिक’ के खांचे में रखना ठीक नहीं होगा। हर इलाके की मिट्टी अलग है। पानी की उपलब्धता अलग है। फसलें अलग हैं। बाजार अलग है। किसान की आर्थिक स्थिति भी अलग है। जो तरीका एक इलाके में अच्छा काम कर रहा है, जरूरी नहीं कि वही दूसरे इलाके में भी उसी तरह परिणाम दे। सरकार के स्तर पर भी अब प्राकृतिक खेती को सिर्फ क्षेत्रफल बढ़ने के आंकड़े से देखने के बजाय उसके आर्थिक परिणामों पर जोर दिया जा रहा है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 1 सितंबर की समीक्षा बैठक में किसानों की उत्पादकता, उत्पादन लागत, बाजार मूल्य और शुद्ध आय का तुलनात्मक अध्ययन करने के निर्देश दिए। यानी यह देखने की जरूरत खुद सरकार मान रही है कि प्राकृतिक खेती से किसान को वास्तविक आर्थिक फायदा कितना हो रहा है।

यही बात सबसे महत्वपूर्ण है।

किसान के लिए खेत का आकार नहीं, खेत से बचने वाला पैसा मायने रखता है। कृषि विशेषज्ञों ने प्राकृतिक खेती की चर्चा को किसान की लागत से जोड़ा है। प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने और किसानों को इसके लिए प्रोत्साहन देने की जरूरत पर बात की गई है। यह नजरिया बताता है कि खेती के तरीके में बदलाव केवल पर्यावरण का मामला नहीं है। उसके साथ किसान की आर्थिक सुरक्षा भी जुड़ी है।

अब जरा पानी की बात।

प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में ‘पर ड्रॉप, मोर क्रॉप’ और आधुनिक सिंचाई तकनीकों का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे दो करोड़ से अधिक किसानों को पानी बचाने में मदद मिल रही है। पानी बचाना आज सिर्फ पर्यावरण का मुद्दा नहीं है। कई इलाकों में यह खेती बचाने का सवाल बन चुका है। यहीं क्लचरूचरूजैसी योजना का महत्व सामने आता है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 2 अगस्त 2026 तक कृषि उपयोग के लिए करीब 11.49 लाख आर्बे-ग्रिड सोलर पंप लगाए जा चुके थे और 21.77 लाख से अधिक किसान इससे लाभान्वित हुए थे। योजना का उद्देश्य सिंचाई के लिए भरोसेमंद बिजली उपलब्ध कराना और डीजल पर निर्भरता कम करना भी है। यहां पर्यावरण और किसान की जेब एक साथ दिखाई देती है। अगर सौर ऊर्जा से सिंचाई का खर्च घटता है तो

उसका फायदा किसान को है। लेकिन सोलर पंप लगाने की शुरुआती लागत, जमीन और पानी की उपलब्धता और योजना तक पहुंच भी उतने ही महत्वपूर्ण सवाल हैं। किसी योजना का आंकड़ा बड़ा हो सकता है, लेकिन किसान तक उसकी पहुंच कैसी है, यह अलग सवाल है।

फसल विविधीकरण भी इसी कड़ी का हिस्सा है। पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में सरकार का फसल विविधीकरण कार्यक्रम धान जैसी अधिक पानी लेने वाली फसलों से कुछ क्षेत्र को दलहन, तिलहन, मोटे अनाज और दूसरी फसलों की ओर ले जाने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है। इसका मकसद पानी की बचत के साथ मिट्टी और प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव कम करना भी है।

लेकिन यहां फिर वही सवाल लौटता है। किसान धान छोड़कर दूसरी फसल क्यों लगाएगा? सिर्फ इसलिए कि वह पानी कम लेती है? किसान के लिए फसल का बाजार भी उतना ही जरूरी है। अगर वैकल्पिक फसल में पानी कम लगता है लेकिन खरीद की व्यवस्था कमजोर है, कीमत अनिश्चित है या उपज बेचने के लिए दूर जाना पड़ता है, तो किसान के लिए फैसला आसान नहीं होगा। दूधरूने भी हाल के अध्ययन में अलग-अलग इलाकों में पानी की उपलब्धता, मिट्टी, जलवायु और बाजार के अवसरों को ध्यान में रखते हुए स्थानीय परिस्थितियों के मुताबिक फसल विविधीकरण पर जोर दिया है। यानी एक ही फार्मूला पूरे देश के लिए नहीं हो सकता।

यही बात जलवायु-अनुकूल फसलों पर लागू होती है। प्रधानमंत्री ने करीब तीन हजार जलवायु-अनुकूल किस्मों के विकास का उल्लेख किया है। बदलते मौसम में ऐसी किस्मों की जरूरत निश्चित रूप से बढ़ेगी। लेकिन नई किस्म विकसित हो जाना और किसान द्वारा उसे बड़े पैमाने पर अपनाया जाना दो अलग बातें हैं। किसान को बीज, प्रशिक्षण, स्थानीय सलाह और बाजार—चारों चाहिए। किसान की भाषा में सवाल बहुत सीधा है—मौसम खराब हुआ तो फसल बचेगी? और फसल बची तो दाम मिलेगा? जल संरक्षण की योजनाओं को भी इसी नजर से देखने की जरूरत है। अमृत सरोवर बने, वर्षाजल संचयन की संरचनाएं बनीं—यह अच्छी शुरुआत है। लेकिन उसके बाद का हिसाब भी होना चाहिए।

(लेखक – निमिषा सिंह)

भारत को डराया नहीं जा सकता, यह नया भारत है

हाल ही में अमेरिकी संसद द्वारा भारत एवं चीन सहित कुछ अन्य देशों से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर 100 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने सम्बन्धी कानून को स्वीकृति प्रदान कर दी गई है, क्योंकि, ये देश रूस से कच्चे तेल का भारी मात्रा में आयात कर रहे हैं। अमेरिका के अनुसार, इन देशों द्वारा रूस से कच्चे तेल के आयात के चलते रूस को यूक्रेन के साथ युद्ध करने की आर्थिक शक्ति प्राप्त हो रही है। जबकि, यूरोपीयन देश एवं अमेरिका स्वयं रूस से गैस एवं अन्य उत्पादों का भारी मात्रा में आयात कर रहे हैं। अर्थात, इन देशों द्वारा रूस से अन्य पदार्थों के आयात करने से रूस को कोई आर्थिक ताकत प्राप्त नहीं होती है, केवल भारत एवं चीन सहित कुछ अन्य देशों द्वारा रूस से कच्चे तेल के आयात से रूस को आर्थिक शक्ति प्राप्त होती है। अमेरिका का यह दोहरा चरित्र अब पूरे विश्व के सामने प्रदर्शित हो रहा है। अमेरिका को अब यह समझ लेना चाहिए कि भारत से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर 100 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ लगाने का उर दिखा कर एवं भारत को दबाव में लाकर अमेरिका भारत से अपने मनमाफिक निर्णय करवा लेगा, तो आज की बदली हुई परिस्थितियों के बीच यह सम्भव होता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है। अमेरिका एवं पूरे विश्व के सामने अब एक नया भारत खड़ा है। अमेरिका दरअसल चाहता है कि भारत उसके कृषि उत्पादों के लिए अपने बाजार खोले ताकि वह भारत को अपने कृषि एवं डेयरी उत्पाद निर्यात कर सके। यदि भारत अमेरिका के इस दबाव में आता है तो भारतीय किसानों पर इसका विपरीत प्रभाव पड़ेगा और केंद्र सरकार भारत के किसानों के हितों की बलि किसी भी कीमत पर देने को तैयार नहीं है। आज, संभवतः अमेरिका को भारत की अधिक आवश्यकता है क्योंकि भारत पूरे विश्व में सबसे बड़ी आबादी वाला देश बन गया है, जिसके कारण भारत पूरे विश्व में सबसे युवा देशों की श्रेणी में उच्च स्थान रखता है। साथ ही, भारत आज विश्व में विभिन्न उत्पादों का सबसे बड़ा उपभोक्ता देश बन गया है एवं आगे अपने वाले समय में भारत की यही स्थिति लम्बे समय तक बनी रहने वाली है। भारत आज विश्व के अन्य उत्पादक देशों के लिए सबसे बड़ा बाजार है।

भारत का सकल घरेलू उत्पाद आज विश्व में बड़े देशों के बीच सबसे अधिक तेज गति से आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। हाल ही में जापान ने भारत की सार्वभौमिक क्रेडिट

रेंटिंग को अपग्रेड किया है। और तो और, अब अमेरिकी क्रेडिट

रेंटिंग एजेन्सियां भी भारत की सार्वभौमिक क्रेडिट रेंटिंग

में सुधार करने पर विचार करने को मजबूर हो रही हैं।

हाल ही में मूडीज ने वर्ष 2026 में भारत के सकल

घरेलू उत्पाद में होने वाली वृद्धि दर को 6 प्रतिशत

से बढ़ाकर 7 प्रतिशत कर दिया है। साथ ही,

जेफरीज ने भी अपने पूर्व अनुमान 6.7 प्रतिशत

को सुभाष्कर 7 प्रतिशत कर दिया है। भारतीय

रिजर्व बैंक ने भारत की आर्थिक विकास दर

के अनुमान को 6.7 प्रतिशत कर दिया है,

जबकि भारत ने वित्तीय वर्ष 2026-27 की

प्रथम तिमाही में 7.8 प्रतिशत की आर्थिक विकास

दर हासिल की है।

भारत के अपने विदेशी उत्पादों के लिए नए बाजार

तलाशने सम्बन्धित प्रयास आज सफल होते हुए दिखाई दे रहे

हैं। क्योंकि, अगस्त 2026 का माह भारतीय निर्यातकों के लिए बहुत

शानदार रहा है। वैश्विक स्तर पर कई प्रकार की चुनौतियों के चलते भी भारत से विभिन्न उत्पादों के निर्यात में

26.12 प्रतिशत की आकर्षक वृद्धि दर्ज हुई है। अगस्त 2025 माह में भारत के कुल निर्यात 3,474 करोड़

अमेरिकी डॉलर के रहे थे जो अगस्त 2026 में बढ़कर 4,381 करोड़ अमेरिकी डॉलर के हो गए हैं। फेडरेशन

आफ इंडियन एक्सपोर्ट आरगनाइजेशन के अनुसार, भारत से विभिन्न उत्पादों के निर्यात में हो रही आकर्षक वृद्धि

दर भारतीय निर्यातकों की ताकत, प्रतिस्पर्धा व बाजार के हिसाब से ढलने की क्षमता को दर्शाती है। चीन, सिंगापुर,

जर्मनी, दक्षिण अफ्रीका, मलेशिया, तंजानिया, हांगकांग, आस्ट्रेलिया, स्पेन एवं श्रीलंका जैसे बाजारों में भारतीय

उत्पादों की बढ़ती पहुंच भारत के निर्यात बास्केट के विस्तार का संकेत है। आटोमोबाइल निर्यात में 22.2 प्रतिशत

की मजबूत वृद्धि दर्ज हुई है, इसमें दोपहिया व तिपाहिया वाहनों का दबदबा रहा है। जेम्स एंड ज्वेलरी के निर्यात

में भी 3.14 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल हुई है। इलेक्ट्रॉनिक एवं इंजीनीयरिंग उत्पादों के निर्यात में लगातार वृद्धि

भारत की मजबूत स्थिति को दर्शा रही है।

विदेशी व्यापार के मामले में भारत विश्व में केवल कुछ देशों (अमेरिका सहित) पर निर्भर रहने के स्थान पर अब

अपने विभिन्न उत्पादों के निर्यात के लिए नए नए बाजार तलाश रहा है। केंद्र सरकार के इन प्रयासों का सुपरिणाम

दिखाई भी देने लगा है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के प्रथम पांच माह (अप्रैल-अगस्त 2026) के दौरान भारत

का ब्रिक्स देशों (चीन, दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील एवं रूस) को निर्यात 34 प्रतिशत बढ़कर 1,990 करोड़

अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर गया है। इसी अवधि में चीन को भारत से विभिन्न उत्पादों के निर्यात में 39

प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। ब्रिक्स समूह के समस्त सदस्य देशों के साथ भारत अपने आर्थिक एवं राजनैतिक

सम्बन्ध लगातार मजबूत कर रहा है, जिसका परिणाम अब इन देशों के साथ भारत के लगातार बढ़ रहे विदेशी

व्यापार के रूप में दिखाई देने लगा है। वाणिज्य मंत्रालय द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, ब्रिक्स के चार

मुख्य देशों (चीन, दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील एवं रूस) का भारत के कुल निर्यात में हिस्सा अप्रैल-अगस्त 2025

के दौरान 8.1 प्रतिशत से बढ़कर अप्रैल-अगस्त 2026 के दौरान 9.2 प्रतिशत हो गया है। इस वित्तीय वर्ष के

प्रथम पांच माह के दौरान चीन को 960 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निर्यात किया गया है तो वहीं दक्षिण अफ्रीका,

ब्राजील एवं रूस को भारतीय उत्पादों के निर्यात में क्रमशः 58 प्रतिशत, 13 प्रतिशत एवं 11 प्रतिशत की आकर्षक

वृद्धि दर्ज की गई है।

आज कई अमेरिकी कम्पनियां भारत में अपने वैश्विक योग्यता केंद्रों की स्थापना कर रही हैं। इनमें प्रमुख रूप से

शामिल हैं - एस्ट्रा जेनेका, बैक ओफ अमेरिका, टरुब्रिज, गाइडवायर, आदि। भारत में स्थापित इन वैश्विक योग्यता

केंद्रों में हजारों की संख्या में भारतीय इंजीनीयर कार्य कर रहे हैं। कहीं यह अमेरिकी प्रशासन द्वारा लगातार बदले

जा रहे वीजा सम्बंधी नियमों के चलते तो नहीं हो रहा है।

(लेखक- प्रहलाद सक्नानी)

ग्राहकों के लिए भी भुगतान व्यवस्था बदलने की आशंका, यूपीआई पर एमडीआर शुल्क के फैसले पर पुनर्विचार की मांग

थोक व्यापारियों पर बढ़ सकता है आर्थिक बोझ

गोपाल, यश भारत ।

यूपीआई भुगतान पर प्रस्तावित एमडीआर शुल्क को लेकर व्यापारियों ने सरकार से निर्णय पर पुनर्विचार करने की मांग की है। भोपाल किराना व्यापारी महासंघ के महामंत्री विवेक साहू का कहना है कि डिजिटल भुगतान आज व्यापार और आम लोगों की रोजमर्रा की जरूरत बन चुका है। ऐसे में यूपीआई लेनदेन पर अतिरिक्त शुल्क लागू होने से व्यापारियों के साथ ग्राहकों के सामने भी नई व्यावहारिक दिक्कतें खड़ी हो सकती हैं।

साहू के अनुसार 15 अक्टूबर से 2

हजार रुपये से अधिक के यूपीआई भुगतान पर 0.4 प्रतिशत एमडीआर शुल्क लागू होने का प्रस्ताव है। थोक कारोबार में मुनाफे का अंतर पहले से ही सीमित रहता है। ऐसे में प्रत्येक बड़े डिजिटल भुगतान पर लगने वाला अतिरिक्त शुल्क व्यापारियों की लागत बढ़ा सकता है और इसका असर उनके लाभ पर पड़ने की आशंका है।

बड़े भुगतान में बढ़ सकती है परेशानी

व्यापारियों का कहना है कि थोक बाजार में बड़ी राशि के भुगतान के



डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने की अपील

व्यापारियों ने कहा है कि डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने से व्यापार में पारदर्शिता और भुगतान की सुविधा बढ़ी है। व्यापारी और ग्राहक दोनों यूपीआई व्यवस्था के आदी हो चुके हैं। ऐसे में नई शुल्क व्यवस्था लागू करने से पहले उसके व्यापक प्रभावों पर विचार किया जाना चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से आग्रह किया कि व्यापारियों और आम उपभोक्ताओं के हितों को ध्यान में रखते हुए एमडीआर शुल्क से जुड़े प्रस्ताव की समीक्षा की जाए। उनका कहना है कि ऐसी व्यवस्था बनाई जानी चाहिए, जिसमें डिजिटल भुगतान को बढ़ावा भी मिले और व्यापारियों पर अतिरिक्त वित्तीय दबाव भी न पड़े।

लिए यूपीआई का इस्तेमाल तेजी से बढ़ा है। ग्राहक भी नकद रखने के बजाय मोबाइल से तत्काल भुगतान को सुविधाजनक मानते हैं। यदि 2 हजार रुपये से अधिक के लेनदेन पर शुल्क लागू होता है तो कुछ व्यापारी ऐसे भुगतान स्वीकार करने के दूसरे विकल्प तलाश सकते हैं। साहू ने बताया कि शुल्क लागू होने की स्थिति में कुछ व्यापारी 15 अक्टूबर के बाद 2 हजार रुपये से अधिक के यूपीआई भुगतान स्वीकार नहीं करने पर भी विचार कर रहे हैं। इससे ग्राहकों को नकद या अन्य भुगतान माध्यम अपनाने पड़ सकते हैं। खासकर नियमित खरीदारी करने वाले ग्राहकों और छोटे कारोबारियों के लिए भुगतान का तरीका बदलना असुविधाजनक हो सकता है।



एमवाय अस्पताल से लेकर मेडिकल कॉलेजों के निजी संचालन तक उठाए

स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर कांग्रेस ने सरकार को घेरा

मध्य प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति पर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस प्रवक्ता अभय दुबे ने आरोप लगाया कि प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े कई गंभीर मामले सामने आए हैं और सरकार की कार्यप्रणाली को लेकर लगातार सवाल खड़े हो रहे हैं। दुबे ने इंदौर के एमवाय अस्पताल में नवजात बच्चों की मौत कोल्ट्रफ कफ सिरप से बच्चों की मौत इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी से हुई मौतों बालाघाट में बच्चों की मौत और सागर में जहरीली शराब कांड का उल्लेख करते हुए सरकार से स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर जवाब मांगा।

किडनी रैकेट और पैथोलॉजी मामले पर भी जवाब मांगा

कांग्रेस प्रवक्ता ने इंदौर में सामने आए कथित किडनी रैकेट और साईंस हाउस पैथोलॉजी मामले को लेकर भी सरकार से स्थिति स्पष्ट करने की मांग की। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े मामलों में तथ्यों को सामने लाने और जिम्मेदारी तय करने की आवश्यकता है। कांग्रेस ने प्रदेश के नौ मेडिकल कॉलेजों को निजी हाथों में संचालन के लिए दिए जाने की प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए। पार्टी ने पूछा कि ऐसी व्यवस्था लागू होने पर गरीब मरीजों को मिलने वाले मुफ्त इलाज और एससी एसटी तथा ओबीसी वर्गों के आरक्षण की क्या व्यवस्था रहेगी। अभय दुबे ने सरकार से मेडिकल कॉलेजों के संचालन से जुड़ी पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता बरतने तथा स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर कांग्रेस द्वारा उठाए गए सवालों पर स्पष्ट जवाब देने की मांग की है।

बाबा रामदेव जी की दसवीं पर निकली शोभायात्रा

आष्टा, यश भारत । बाबा रामदेव जी की दसवीं नगर में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई गई। विभिन्न मंदिरों में दिनभर पूजा-अर्चना और आरती हुई। पार्वती नगर और अलीपुर क्षेत्र में बैंड-बाजों के साथ शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। बुधवार गंज स्थित मंदिर में सकल हिंदू समाज के पदाधिकारियों ने दर्शन किए और मानस भवन में आयोजित भंडारे में प्रसादी ग्रहण की। समाज अध्यक्ष नरेंद्र कुशवाहा ने धार्मिक आयोजनों के माध्यम से नई पीढ़ी को संस्कारों और परंपराओं से जोड़ने का आह्वान किया।

सांदीपनि विद्यालय में मनाया उमंग दिवस

आष्टा, यश भारत । सांदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में उमंग दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में 3 हजार से अधिक विद्यार्थियों ने सकारात्मकता की शपथ ली। विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य, तनाव प्रबंधन, आत्मरक्षा और सोशल मीडिया के प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया। कहानी, प्रश्नोत्तरी और खेल गतिविधियां आयोजित हुईं। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। प्राचार्य सितवत खान ने विद्यार्थियों से अपनी समस्याएं शिक्षकों और अभिभावकों से साझा करने की अपील की।

स्वस्थ रहने की कला सीखने देशभर से आए साधक आरोग्य केन्द्र में पांच दिवसीय शिविर

हिंदाराम नगर.

आरोग्य केन्द्र द्वारा पाँच दिवसीय रोग निवारण एवं प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जा रहा है, जिसमें देशभर से आए साधक प्राकृतिक उपचार, योग, प्राकृतिक एवं अपक्व आहार, फिजियोथेरेपी, एक्स्प्रेसर, एक्स्पुंक्चर, शिरोधारा और पेटली मसाज के माध्यम से स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं। मेडिकल डायरेक्टर डॉ. गुलाब राय टेवानी ने व्याख्यान में बताया कि संस्था पिछले 37 वर्षों से किरायाती एवं दवा-रहित चिकित्सा प्रदान कर रही है। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य 'प्राकृतिक चिकित्सा से संपूर्ण स्वास्थ्य लाभ' प्राप्त करना है। साधकों की प्रार्थनाओं का आहार (रसाहार, फलाहार), उपवास, योग और पंचतत्वों (पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश) द्वारा शरीर के शुद्धिकरण की कला सिखाई जा रही



है। डॉ. टेवानी ने जोर दिया कि गलत आहार और अस्वस्थ जीवनशैली ही बीमारियों की जड़ हैं। शरीर से टॉक्सिन्स बाहर निकालने के चार मुख्य मार्ग हैं—मल, मूत्र, पसीना और श्वास। सही आहार, सकारात्मक सोच, मानसिक-

शारीरिक डिटॉक्स और डिजिटल डिटॉक्स (मोबाइल व लैपटॉप से परहेज) अपनाकर व्यक्ति स्वयं का चिकित्सक बन सकता है। समाज को जागरूक करने के उद्देश्य से शिविर के साथ 'हेल्थ प्रोमोटर सर्टिफिकेट कोर्स' भी शुरू किया गया है, जिससे साधक प्राकृतिक चिकित्सा सीखकर अपने परिवार व समाज को स्वस्थ रख सकें। विशेष गतिविधियाँ एवं सत्र: दिनचर्या: योग, योगिक क्रियाएँ, ध्यानात्मक सत्र, आनंद मेला और हरी पत्तियों के जूस का सेवन।

संस्कार विद्यालय में हुई थी प्रतियोगिता

हिंदाराम नगर.

संस्कार विद्यालय में खादी और ग्रामोद्योग को बढ़ावा देने के लिए निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसके विजेताओं को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में निशा उतवानी ने प्रथम, समीक्षा मेहरा ने द्वितीय तथा प्रीति वाधवानी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेता प्रतिभागियों को खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग के वरिष्ठ अधिकारियों अनील टिलवानी, अर्चना पाल और संजय जैन तथा संस्था के अध्यक्ष सुशील वासवानी एवं सचिव बसंत चेलानी द्वारा पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर सभी उपस्थित लोगों ने खादी एवं ग्रामोद्योग को सम्मान देने और इसे अपने दैनिक जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। समारोह के प्रारंभ में चेलानी ने कहा कि विद्यार्थियों में स्वदेशी की भावना जगाने और खादी के महत्व को समझाने के लिए ऐसे कार्यक्रमों का समय-समय पर आयोजन बेहद आवश्यक है। टिलवानी ने खादी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया

खादी-ग्रामोद्योग पर निबंध प्रतियोगिता में निशा प्रथम व समीक्षा रहे द्वितीय



कि वर्ष 2023 से प्रतिवर्ष खादी महोत्सव मनाया जा रहा है। इस वर्ष भी 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक खादी महोत्सव का आयोजन हो रहा है, जिसके तहत प्रतिदिन खादी का प्रचार-प्रसार, शपथ ग्रहण, चरखा प्रदर्शन और स्वदेशी उत्पादों की जानकारी प्रदान करने जैसे कार्य

किए जा रहे हैं। वासवानी ने कहा कि ऐसे आयोजनों से निश्चित ही खादी ग्रामोद्योग को बढ़ावा मिलेगा और देश का विकास होगा। अतिथियों ने विद्यालय द्वारा मिले सहयोग की प्रशंसा की। अंत में प्राचार्य आर.के. मिश्रा ने सभी का आभार व्यक्त किया

बनियाखेड़ी में जलभराव से कीचड़ और गंदगी का अंबार, अधूरा मंगल भवन भी सवालों के घेरे में, मुक्तिधाम वर्षों से बंदहाल

गोंदलवाड़ा पंचायत में विकास कार्यों पर सवाल, सड़क बने बिना निकल गई राशि

बनखेड़ी, यश भारत ।

सरकार अंतिम छोर के व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाकर उसे आत्मनिर्भर बनाने और गांवों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए लगातार प्रयास कर रही है, लेकिन जमीनी स्तर पर जिम्मेदारों की कथित लापरवाही इन प्रयासों पर सवाल खड़े कर रही है। ऐसा ही मामला जनपद पंचायत बनखेड़ी की ग्राम पंचायत गोंदलवाड़ा के अंतर्गत आने वाले बनियाखेड़ी गांव से सामने आया है। गांव में जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने से जगह-जगह पानी जमा है। इससे कीचड़ और गंदगी की स्थिति बनी हुई है तथा ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि मूलभूत सुविधाओं से जुड़े कार्यों पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

सड़क बनी नहीं, राशि निकलने का आरोप

सबसे गंभीर सवाल पंचायत द्वारा सीसी रोड निर्माण के नाम पर राशि निकाले जाने को लेकर उठ रहे हैं। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक शासकीय पंचायत दर्पण पोर्टल पर सीसी रोड निर्माण के नाम से डेढ़ लाख रुपये



से अधिक की राशि निकाली गई है, जबकि गांव में संबंधित सीसी रोड का निर्माण नजर नहीं आ रहा है। ऐसे में सवाल उठता है कि जब सड़क बनी ही नहीं तो निर्माण कार्य की राशि किस आधार पर निकाली गई?

अधूरा मंगल भवन, निकल गई छह लाख की राशि

इसी तरह बनियाखेड़ी गांव में मंगल भवन का निर्माण भी सवालों के घेरे में है। ग्रामीणों के अनुसार भवन का निर्माण अधूरा पड़ा है

और निर्माण की गुणवत्ता को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। जानकारी के मुताबिक इसके लिए करीब छह लाख रुपये की राशि निकाली जा चुकी है।

मुक्तिधाम की हालत भी बंदहाल

बनियाखेड़ी गांव का मुक्तिधाम भी लंबे समय से बंदहाल का शिकार बताया जा रहा है। यहां व्यवस्थाओं और सौंदर्यकरण की स्थिति संतोषजनक नहीं होने से ग्रामीण



अपनी निजी भूमि में अंतिम संस्कार करने को मजबूर है। ग्रामीणों का सवाल है कि जब गांवों के विकास और स्वच्छता के लिए लगातार योजनाएं संचालित हो रही हैं, तो वर्षों से मुक्तिधाम की स्थिति में सुधार क्यों नहीं हुआ।

सरपंच पति बोले—सड़क निर्माण हुआ ही नहीं

मामले में सरपंच पति बाबूलाल ने बताया कि पंचायत द्वारा नाली निर्माण का कार्य

कराया गया है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि गांव में कहीं भी सड़क निर्माण का कार्य नहीं कराया गया है। उनके इस बयान के बाद सीसी रोड निर्माण के नाम पर पोर्टल में दर्ज राशि को लेकर सवाल और गंभीर हो गए हैं। गांव की सफाई के लिए बिंदेश दिए गए हैं। पंचायत में किए गए कार्यों की जांच कराई जाएगी। बगैर सड़क निर्माण के राशि कैसे निकली, इसकी भी जांच की जाएगी। जांच में दोषी पाए जाने पर निश्चित रूप से कार्रवाई की जाएगी।

नरेंद्र सिंह मेवाड़ा, सीईओ जनपद पंचायत बनखेड़ी

बाबा रामदेव जी के चल समारोह में शामिल हुए विधायक

आष्टा, यश भारत ।

अलीपुर के मीरपुरा स्थित बाबा रामदेव मंदिर से दसवीं के अवसर पर चल समारोह निकाला गया। विधायक गोपालसिंह इंजीनियर भी इसमें शामिल हुए। जनपद चौराहे पर हिंदू उत्सव समिति ने शोभायात्रा का स्वागत किया। मंदिर परिसर में आयोजित कार्यक्रम में विधायक ने टीन शेड निर्माण के लिए 5 लाख और माताजी के चबूतरे के लिए 50 हजार रुपये देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि धार्मिक आयोजन सामाजिक एकता और सद्भाव को मजबूत करते हैं।



एमपी में 27% ओबीसी आरक्षण रोकने का पाप कमलनाथ सरकार ने किया, अपनी हिंदी की चिढ़ी पढ़कर दिखाएं राहुल

राहुल गांधी की चिढ़ी पर मंत्री सारंग का पलटवार

गोपाल यश भारत ।

मध्यप्रदेश में 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण के मुद्दे पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा मुख्यमंत्री को लिखी गई चिठ्ठी को लेकर चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग ने तीखा पलटवार किया है। सारंग ने आरोप लगाया कि प्रदेश में ओबीसी आरक्षण को रोकने की स्थिति कांग्रेस की तत्कालीन कमलनाथ सरकार के कार्यकाल में बनी और सरकार ने अदालत में इस मामले में प्रभावी ढंग से पक्ष नहीं रखा। मंत्री सारंग ने कहा कि मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण देने के

लिए पहले से प्रतिबद्ध है। उन्होंने राहुल गांधी की चिठ्ठी को लेकर कहा कि उन्हें प्रदेश के इतिहास और वर्तमान परिस्थितियों की पूरी जानकारी नहीं है और वे कांग्रेस नेताओं द्वारा तैयार किए गए पत्रों पर हस्ताक्षर कर देते हैं।

राहुल को खुली चुनौती, कहा पत्र पढ़कर दिखाएं

सारंग ने राहुल गांधी को चुनौती देते हुए कहा कि वे अपनी ही हिंदी में लिखी चिठ्ठी को अक्षरशः पढ़कर सोशल मीडिया पर साझा करके दिखाएं। उन्होंने कहा कि यदि राहुल गांधी ऐसा कर देते हैं तो वे उन्हें इनाम देंगे। मंत्री ने

राहुल गांधी पर मुद्दों की पर्याप्त जानकारी के बिना राजनीति करने और जनता को गुमराह करने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि ओबीसी आरक्षण को लेकर कांग्रेस को अपने कार्यकाल और न्यायालय में अपनाए गए रुख पर जवाब देना चाहिए। सारंग ने कहा कि वर्तमान सरकार ओबीसी वर्ग के हितों और 27 प्रतिशत आरक्षण के प्रावधान को लेकर अपनी प्रतिबद्धता स्पष्ट कर चुकी है। उन्होंने राहुल गांधी की चिठ्ठी को लेकर कांग्रेस पर राजनीतिक भ्रम पैदा करने का आरोप लगाया।

विकास के दावों की पोल खोल रही बरसात

सावरकर वार्ड सहित अन्य क्षेत्रों में भरा पानी



कटनी, यशभारत। थोड़ी सी बारिश में शहर के कई क्षेत्रों में पानी भर जाता है और नगर निगम के द्वारा ध्यान नहीं दिया जा रहा है पहले सड़क खोद दी जाती है और फिर बनाई जाती है यह सिलसिला निरंतर चलता रहता है इस तरह जनता के टैक्स की बर्बादी होती है यह बात किसी से छुपी नहीं है वार्ड के नागरिकों ने बताया वीर सावरकर वार्ड क्रमांक 12 संत रविदास नगर बस्ती की सड़क है जो थोड़ी सी बरसात में ही सड़क पानी भर गया लोगों के घरों तक पानी घुसने लगा रहवासियों ने



बताया की लगभग दो-तीन महीने पहले यह सड़क का निर्माण हुआ था और कोई फर्क नहीं पड़ा सड़कों में घुटनों से पानी भरने की स्थिति में हो गया बताया गया है कि पापंद कभी इस सड़क से नहीं निकलते हैं किस तरह नगर विकास के लिए नगर सरकार काम कर रही है यह नागरिक जानते हैं शहर के कई क्षेत्रों में सड़के हैं और नालियां टूटी-फूटी पड़ी है नागरिको ने नगर निगम प्रशासन से व्यवस्था सुधारने की मांग की है

कुठला क्षेत्र में भी सड़कों का बुरा हाल

बस स्टैंड से लेकर आगे कुठला में रोड में कई जगह सड़क में गड्डे हो गए हैं और बुरा हाल हो गया है दुर्घटना की आशंका बनी हुई है नागरिकों ने



इच्छाओं पर नियंत्रण ही उत्तम तप

पर्यूर्षण पर्व पर हर रोज हो रहे धार्मिक कार्यक्रम

कटनी, यशभारत। पर्यूर्षण पर्व के 7 वें धर्म उत्तम तप पर चर्चा करते हुये विद्ववान संतोष शास्त्री ने बतलाया कि जैन परम्परा में दशलक्षण महापर्व में उत्तम तप को छठवां मूल धर्म माना गया है। जिसका वास्तविक अर्थ मात्र भूखे रहकर शरीर को कष्ट देना नहीं बल्कि आचार्य उमा स्वामी के अनुसार आनियत्रित इच्छाओं और वसानाओं का विवेकपूर्वक निरोध करना ही उत्तम तप कहलाता है। जबकि इसके अंतर्गत अनशन, रस परित्याग जैसे 6 बाह्य तप इन्द्रियों पर संयम स्थापित करते हुये प्रायशचित् विनय वैयावृत्त, स्वाध्याय और ध्यान जैसे 6 अभ्यांतर तप मन और भावों की अंतरिक शुद्धि करते है और जब यह तप मान सम्मान, यश या सांसरिक लाभ की लालसा से मुक्त होकर सम्यक दर्शन और सम्यक ज्ञान के साथ धारण किया जाता है वही उत्तम तप कहलाता है। रात्रि में दिगम्बर जैन पंचायत महासभा एवं आचार्य विद्यासागर नवयुवक मण्डल के द्वारा महाआरती का आयोजन महावीर कीर्ति स्तंभ के सामने किया गया, जिसे उपस्थित जनसमुदाय द्वारा सराहा गया, जिसमें पुरूस्कार वितरण पंचायत अध्यक्ष संजय जैन, उपाध्यक्ष पंचम जैन, मंत्री विन्नी जैन द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में अंशुल जैन शिम्पी, तरूण जैन, पिंकु जैन के साथ संस्था के सदस्यों एवं पदाधिकारियों का सराहनीय योगदान रहा। नगर के सभी मंदिरों में प्रतिदिन प्रातः अभिषेक पूजन आदि हो रहें। इस अवसर पर आचार्य श्री 108 विद्यासागर युवा संगठन द्वारा महाआरती का भव्य आयोजन किया गया।

हाऊसिंग जैन बोर्ड मंदिर में आयोजन

पर्यूर्षण पर्व के अवसर पर श्री 1008 पार्श्वनाथ हाऊसिंग जैन बोर्ड मंदिर में आज उत्तम त्याग के दिन श्रीमति रश्मि विनीत जैन, निकिता शुभम जैन, सीमा सोगानी के द्वारा धार्मिक तंबोला कार्यक्रम करवाया गया। कार्यक्रम बहुत रोचक एवं ज्ञानवर्धक रहा। कार्यक्रम के पुरस्कार के पुण्य अर्जन करने का सौभाग्य सुभाष जैन, चन्द्रप्रभा शुभम जैन, निकिता, सर्वांश, सिद्धाली जैन परिवार ने प्राप्त किया।

निगम ने काटे 31 से ज्यादा कनेक्शन



50 फीसदी राहत के बाद भी जलकर नहीं चुकाया

कटनी, यशभारत। जलकर बकायादारों को राहत देने के लिए नगर निगम की 50 प्रतिशत छूट योजना के बावजूद राशि जमा नहीं करने वालों पर अब कार्रवाई शुरू हो गई है। बुधवार को निगम की टीमें ने वार्डवार अभियान चलाकर 31 से अधिक बड़े बकायादार उपभोक्ताओं के नल कनेक्शन काट दिए।

कार्रवाई से पहले निगम दलों ने संबंधित उपभोक्ताओं से संपर्क कर बकाया जलकर जमा करने और राहत योजना का लाभ उठाने की समझाइश दी। इसके बावजूद भुगतान नहीं करने पर मौके पर ही नल कनेक्शन विच्छेदित किए गए। राजस्व अधिकारी जागेश्वर प्रसाद पाठक के निर्देशन में हुई कार्रवाई के बाद निगम ने स्पष्ट किया है कि बकाया जलकर को लेकर अब सख्ती जारी रहेगी। राहत योजना का लाभ नहीं लेने वाले और बकाया राशि जमा नहीं करने वाले उपभोक्ताओं के कनेक्शन विच्छेदित किए जाएंगे।



दुख की घड़ी में मिला आर्थिक संबल

ग्राम पंचायत ने पात्र परिवारों को सौंपी सहायता राशि

शाहनगर, यशभारत। ग्राम पंचायत रागोली में दो मृतक परिवारों को अंलेंटिफ सहायता राशि प्रदान की गई। पंचायत की ओर से स्वर्गीय लक्ष्मी सिंह, पति तिलक सिंह तथा करन प्रसाद चौधरी के परिवारों को १5-१5 हजार की आर्थिक सहायता दी गई। ग्राम पंचायत के सरपंच जय प्रताप सिंह एवं पंचायत सचिव ने संबंधित परिवारों को सहायता राशि सौंपी। आर्थिक संकट से गुजर रहे परिवारों के लिए यह मदद अंतिम संस्कार से जुड़े खर्चों में राहत का माध्यम बनी। परिजनों ने सहायता राशि मिलने पर पंचायत के प्रति आभार जताया। पंचायत प्रतिनिधियों ने कहा कि पात्र हितग्राहियों तक शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना प्राथमिकता है, ताकि जरूरत के समय परिवारों को आर्थिक सहारा मिल सके।

घरेलू सिलेंडर से कारोबार पर शिकंजा

8 घरेलू सिलेंडर और 2 चूल्हा-भट्टी जब्त

शहर के दो प्रतिष्ठानों में छापा,फूड कारोबार में नियमों की अनदेखी पकड़ी गई

कटनी, यशभारत। घरेलू रसोई के लिए निर्धारित एलपीजी सिलेंडरों का व्यावसायिक इस्तेमाल करने वालों पर खाद्य आपूर्ति विभाग ने कार्रवाई शुरू कर दी है। शहर में हुई जांच के दौरान दो प्रतिष्ठानों में घरेलू गैस से खाद्य सामग्री तैयार होते मिली। टीम ने मौके से 8 सिलेंडर और 2 चूल्हा-भट्टी जब्त की हैं। कार्रवाई कोतवाली के सामने स्थित श्री गणेश मसाला डोसा और रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर-1 स्थित फूड प्लाजा रेलवे कैटिन में की गई। दोनों प्रतिष्ठानों में 14.2 किलोग्राम क्षमता के घरेलू सिलेंडर व्यावसायिक उपयोग में लिए



जा रहे थे। टीम ने दोनों जगह से चार-चार सिलेंडर और एक-एक चूल्हा-भट्टी जब्त की। विभाग ने घरेलू एलपीजी के व्यावसायिक उपयोग को निर्धारित प्रावधानों का उल्लंघन मानते हुए संबंधित प्रतिष्ठानों के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत कार्रवाई की है। खाद्य आपूर्ति विभाग के अनुसार व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को निर्धारित मानकों के अनुरूप वाणिज्यिक एलपीजी का ही उपयोग करना होगा। घरेलू सिलेंडरों के अनधिकृत इस्तेमाल की जांच आगे भी जारी रहेगी।

विकारों से दूरी बनाने की सीख

त्याग का दिया संदेश

पर्यूर्षण पर्व पर धर्मसभाओं में आत्मशुद्धि, दान और त्याग के महत्त्व पर हुए प्रवचन

कटनी, यशभारत। (बाकल) पर्यूर्षण महापर्व के अंतर्गत बाकल के जैन मंदिरों और स्वाध्याय भवन में आयोजित धर्मसभाओं में उत्तम त्याग धर्म का महत्व बताया गया। वक्ताओं ने कहा कि वास्तविक त्याग केवल बाहरी वस्तुओं का नहीं, बल्कि मन में बसे मोह, ममता, लोभ, अहंकार और स्वार्थ जैसे विकारों का होना चाहिए।

श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर, श्री तारण-तारण जैन चैत्यालय एवं स्वाध्याय भवन में आयोजित धर्मसभा में पं. राजेश शास्त्री, पं. आलोक जी और नैवेश भैयाजी जयपुर ने कहा कि आत्मा की उन्नति में बाधक बनने वाले भावों और आसक्तियों से दूर होना ही सच्चा त्याग है। धन और संपत्ति का उपयोग यदि परोपकार एवं जीवदया में हो तो वह सार्थक है, लेकिन अत्यधिक मोह आत्मा को बंधन में बांधता है।



धर्मसभा में दान के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया। कहा गया कि दान में शुद्ध भाव होना चाहिए, न कि प्रदर्शन या यश की इच्छा। अन्न, वस्त्र, औषधि और धन का दान जरूरतमंदों के लिए उपयोगी है, परंतु उसका मूल्य तभी है जब उसमें अहंकार न हो। संतों का जीवन त्याग और आत्मसाधना की सर्वोच्च प्रेरणा देता है। पर्यूर्षण

पर्व के अवसर पर श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर में अभिषेक, शांतिधारा, सामूहिक पूजन, मंगल आरती, मंदिर विधि और प्रवचन आयोजित किए जा रहे हैं। वहीं श्री तारण-तारण जैन चैत्यालय में पूजन तथा स्वाध्याय भवन में धर्मसभा और प्रवचन का क्रम जारी है, जिसमें बड़ी संख्या में समाजजन धर्मात्मा ले रहे हैं।

गरीब परिवारों की सहायता के लिए आगे आई सोसायटी

आंगनवाड़ी केन्द्रों में किया निःशुल्क खाद्यान्न का वितरण

कटनी, यशभारत। सेवा संकल्प अभियान के तहत बारडोली वेलफेयर सोसायटी द्वारा संस्था के अध्यक्ष आर एल चौधरी के नेतृत्व में आंगनवाड़ी केन्द्र मगरधा, एवं आंगनवाड़ी केन्द्र जोवीकला में जरूरतमंद एवं गरीब परिवारों को निःशुल्क खाद्यान्न सामग्री का वितरण किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद परिवारों को सहयोग प्रदान करना तथा समाज में सेवाए सहयोग और मानवता की भावना को मजबूत करना रहा।



खाद्यान्न सामग्री प्राप्त कर लाभार्थी परिवारों ने बारडोली वेलफेयर सोसायटी के इस सेवा कार्य के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजकुमार सिंह, सरपंच तथा विशिष्ट अतिथि वेदप्रकाश सिंह, प्रधान शिक्षक, माध्यमिक विद्यालय मगरधा, ब्लॉक रीठी उपस्थित रहे। इस अवसर पर

सेक्टर प्रभारी गणपत कोल, शिवकुमार चौधरी, माया गुप्ता, राधा विश्वकर्मा, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता उर्मिला बेन, दुर्गा विश्वकर्मा, संगीता बर्मन, साधना बर्मन, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता माया चौधरी, सहायिका सहित आंगनवाड़ी में अध्ययनरत बच्चों के परिवारों की उपस्थिति रही।

माधवनगर में दो दिवसीय बरसी मेले की तैयारियां

शोभायात्रा, आध्यात्मिक सत्संग, भंडारा और निःशुल्क चिकित्सा शिविर की तैयारियां पूरी

कटनी, यशभारत। माधवनगर में 9 और 10 अक्टूबर को पूर्ण विदेही मुक्त संत परम श्रद्धेय सतगुरु बाबा माधवशाह एवं सतगुरु बाबा नारायणशाह साहिब जी की स्मृति में हरेमाधव वर्सी पर्व आयोजित होगा। आयोजन को लेकर हरेमाधव दरबार साहिब में जीवनमुक्त सतगुरु साई ईश्वरशाह साहिब जी के सानिध्य में बैठक हुई, जिसमें समाजसेवी संस्थाओं, व्यापारिक संगठनों और विभिन्न सेवा संगठनों ने व्यवस्थाओं की जिम्मेदारियां संभालीं।

वर्सी पर्व की शुरुआत 9 अक्टूबर को सुबह 8 बजे हरेमाधव दरबार साहिब से शोभायात्रा के साथ होगी। ढोल-नगाड़ों और बैडबाजों के बीच पुष्प सुरसज्जित रथ पर सतगुरु साई ईश्वरशाह साहिब जी विराजमान रहेंगे। शोभायात्रा में हरेमाधव परमार्थ सत्संग समिति के सेवादारों के साथ सिंधु नवजवान मंडल की प्रस्तुतियां भी होंगी। शोभायात्रा सत्संग स्थल बाबा माधवशाह चिकित्सालय के सामने हरेमाधव



दरबार परिसर पहुंचेगी, जहां सत्संग और कीर्तन होगा। दोनों दिन आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। 9 अक्टूबर को शाम 7 बजे शब्द-कीर्तन, भजन और रागों का गायन होगा। 10 अक्टूबर को सुबह 11 बजे सतगुरु साई ईश्वरशाह साहिब जी की अमृतवाणी के साथ आध्यात्मिक सत्संग होगा। इसके बाद हरेमाधव ब्रह्म भोज का आयोजन किया जाएगा।

शिविर में शिकायत पहुंची तो खुली पोल

राजस्व रिकॉर्ड की लापरवाही, पटवारी पर गिरी कार्रवाई

कटनी, यशभारत। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के शिविर में पहुंची शिकायत ने राजस्व रिकॉर्ड के अमल की व्यवस्था पर सवाल खड़ा कर दिया। ग्राम पटवारा में फौती नामांतरण का आदेश जारी होने के बावजूद उसे राजस्व अभिलेख में दर्ज नहीं किया गया। कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देश पर हुई जांच में लापरवाही सामने आने के बाद हल्का नंबर 10 की पटवारी राबिया बानो की आगामी एक वेतनवृद्धि असंचयी प्रभाव से रोक दी गई। मामला ग्राम पटवारा के खसरा नंबर 576, 246 और 247 से जुड़ा है। खातेदार रामबिहारी भूमिया की मृत्यु के बाद उनके पुत्र मनोज कुमार भूमिया ने फौती नामांतरण आदेश का अभिलेख में अमल नहीं होने की शिकायत की थी। जांच में सामने आया कि नामांतरण संबंधी अंतिम आदेश पारित हो चुका था, लेकिन राजस्व रिकॉर्ड में उसका अमल नहीं किया गया। मामले में पटवारी को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया। जवाब का परीक्षण करने पर उसे समाधानकारक नहीं पाया गया। इसके बाद एसडीएम कटनी जितेंद्र पटेल ने मध्यप्रदेश सिविल सेवा नियमों के तहत कार्रवाई करते हुए आगामी एक वेतनवृद्धि असंचयी प्रभाव से रोकने के आदेश जारी किए।

10 अक्टूबर तक होगा किसान पंजीयन

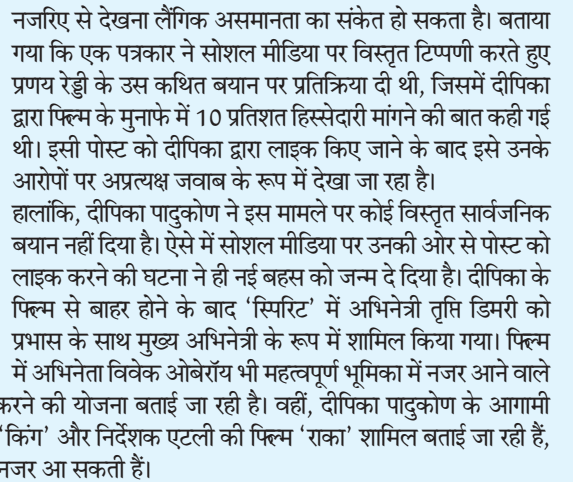
51 केंद्र बनाए गए,एग्रीस्टेक से जमीन और फसल का सत्यापन

कटनी, यशभारत। समर्थन मूल्य पर धान उपाजर्न के लिए खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 का किसान पंजीयन शुरू हो गया है। जिले में 51 पंजीयन केंद्र बनाए गए हैं। किसान 10 अक्टूबर तक कार्य दिवसों में पंजीयन करा सकेंगे। इस बार पंजीयन को एग्रीस्टेक डाटाबेस से जोड़ा गया है, जिससे किसान की भूमि, रकबा और बोई गई फसल का सत्यापन होगा। नए और पूर्व पंजीकृत किसानों के लिए अलग विकल्प रखे गए हैं। आधार सत्यापन के बाद पंजीयन सुरक्षित किया जाएगा।सिकमी-बटाईदार और वन पट्टाधारी किसानों के लिए भी निर्धारित दस्तावेजों के साथ पंजीयन की सुविधा है। गलत खसरा जोड़ने या गलत पंजीयन कराने पर संबंधित जिम्मेदारों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

अनंत चतुर्दशी पर मांसाहारी कारोबार पर रहेगा प्रतिबंध

कल मांस मछली और चिकन की बिक्री पर रोक

कटनी, यशभारत। अनंत चतुर्दशी एवं पर्यूर्षण पर्व के अंतिम दिवस 25 सितंबर को नगर निगम सीमा क्षेत्र में सभी प्रकार के मांसाहारी पदार्थों के क्रय-विक्रय पर प्रतिबंध रहेगा। शासन के निर्देशों के तहत निगम ने संबंधित व्यवसायियों को निर्धारित दिन कारोबार बंद रखने के निर्देश दिए हैं। नगर निगम की उपायुक्त प्रियंका झरिया ने बताया कि कल 25 सितंबर को मुर्गा, मुर्गी, मांस और मछली सहित मांसाहारी पदार्थों की बिक्री प्रतिबंधित रहेगी। आदेश का उल्लंघन करने वाले दुकानदारों और संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। निगम प्रशासन ने नागरिकों और व्यापारियों से प्रतिबंधित दिवस पर आदेश का पालन करने की अपील की है।



यशभारत : सेल्फी विथ श्रीगणेश



कटनी के विकास कोमल ने इंग्लैंड (यूके) स्थित निवास पर रखी भगवान गजानन की भव्य प्रतिमा



निधि आशा खासकलम, नई बस्ती।



नारायण प्रसाद दुबे, कैलवारा फाटक, कटनी।



दहा धाम में विराजे गणपति जी



छिटाकरा परिवार, अशोक कॉलोनी, कटनी।



मानसी शुभा, गायत्री नगर



अवनी आरव तिवारी, मानसरोवर कॉलोनी कटनी।

भैरवानी के खाते में कहां से आई हवाला की रकम

रिमांड पर लेकर पुलिस कर रही पूछताछ, परिवार के लोग भी राडार पर

बैंक खातों, निजी लेनदेन, व्यावसायिक फर्मों, जीएसटी और उद्योग विभाग से जुड़े वित्तीय रिकॉर्ड्स की जांच

कटनी, यशभारत। ऑनलाइन क्रिकेट सट्टेबाजी और गेमिंग के जरिए करोड़ों रुपये के अवैध वित्तीय लेनदेन मनी ट्रेल के मामले में विशेष जांच टीम एसआईटी को बड़ी सफलता मिली है। एसआईटी ने कटनी कंप्यूटर्स के संचालक विजय भैरवानी को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया, जहां से न्यायालय ने आरोपी को 3 दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। मामले की जांच के दौरान यह बात सामने आई कि विजय भैरवानी ने अपने कर्मचारियों के बैंक खातों का उपयोग कर करीब 50 लाख रुपये का सदिग्ध लेनदेन किया था। जब एसआईटी ने इस रकम के स्रोत और उसके उपयोग को लेकर पूछताछ की तो आरोपी कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका और न ही कोई वैध हिसाब किताब पेश कर पाया। बैंक खातों में कर्मचारियों के आधिकारिक वेतन के अलावा 50 लाख रुपये का अतिरिक्त लेन देन मिलने के बाद एसआईटी ने उसे हिरासत में ले लिया।



खिलाफ पुख्ता सबूत मिले, जिसके बाद यह गिरफ्तारी संभव हो सकी।
जांच के दायरे में कई व्यावसायिक फर्मों

एसआईटी की इस कार्रवाई से सट्टा सिंडिकेट से जुड़े अन्य बड़े चेहरों में हड़कंप मच गया है। पुलिस अब तक इस मामले में 11.94 करोड़ रुपये के वित्तीय लेन देन की पुष्टि कर चुकी है।



जांच एजेंसी के अनुसार विजय भैरवानी के भाई दीपक भैरवानी से भी गहन पूछताछ की जा चुकी है। फिलहाल पुलिस आरोपी के बैंक खातों और निजी लेनदेन, संबंधित व्यावसायिक फर्मों, जीएसटी और उद्योग विभाग से जुड़े वित्तीय रिकॉर्ड्स की गहनता से जांच कर रही है। पुलिस रिमांड के दौरान एसआईटी आरोपी से सट्टा सिंडिकेट के अन्य नेटवर्क मुख्य सरगनाओं और पैसें के अंतरराज्यीय ट्रांसफर के संबंध में कड़ाई से पूछताछ करेगी, जिससे कई और बड़े खुलासे होने की संभावना है।

क्रिकेट सट्टे से जुड़े तार

पुलिस ने बताया कि पूर्व की जांच में योगेश बजाज का नाम क्रिकेट सट्टे से जुड़े लेनदेन के मामले में सामने आया था। क्रिकेट सट्टे की आईडी उपलब्ध कराने और कमीशन के माध्यम से रकम के लेनदेन की जानकारी से जांच कर रही है। अब विजय भैरवानी की गिरफ्तारी के बाद एसआईटी की जांच में इस मनी ट्रेल की एक और कड़ी जुड़ी है।

ऑटो की किस्त चुकाने बैंक में चोरी का प्रयास

कुठला पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

कटनी, यशभारत। ऑटो की किस्त चुकाने में परेशानी के चलते बैंक में चोरी करने की योजना बनाने वाले 21 वर्षीय युवक को कुठला पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी ने पत्रा मोड़ स्थित सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के मुख्य गेट का ताला तोड़कर चोरी का प्रयास किया था लेकिन बैंक से कोई सामान चोरी नहीं हो सका। पुलिस के अनुसार 22 सितंबर की रात करीब 2.34 बजे क्षेत्रीय कार्यालय जबलपुर के सुरक्षा अधिकारी ने बैंक प्रबंधन को फोन कर सूचना दी कि एक अज्ञात व्यक्ति बैंक के मेन गेट का ताला तोड़ने का प्रयास कर रहा है। सुबह बैंक पहुंचने पर मुख्य ताले पर भारी वस्तु से तोड़े जाने के निशान मिले। बैंक के अंदर जांच करने पर किसी प्रकार की चोरी नहीं मिली। शाखा प्रबंधक विनीत सोलंकी की रिपोर्ट पर कुठला थाने में मामला दर्ज कर पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू की। पुलिस टीम ने मुखबिर तंत्र के साथ घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की



फुटेज खमाली। जांच के दौरान पुलिस ने गंगाराम चौधरी पिता बृजलाल चौधरी निवासी घंघरीकला को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पुलिस के मुताबिक पूछताछ में आरोपी ने बैंक में चोरी का प्रयास करना स्वीकार किया। आरोपी ने कथित तौर पर बताया कि ऑटो की किस्त नहीं चुका पाने के कारण उसने बैंक में चोरी की योजना बनाई थी। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से दो पेचकस और एक छोटी आरी बरामद कर जब्त की है। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

15 दिन में अवैध शराब के 465 मामले

8 लाख रूपए की 1789 लीटर अवैध शराब जब्त

कटनी, यशभारत। पुलिस द्वारा अवैध शराब निर्माण विक्रय एवं परिवहन करने वाले माफियाओं के विरुद्ध कार्यवाही की जा रही है। जिसके तहत जिले के समस्त थाना क्षेत्रों में 15 दिवसीय अभियान चलाया गया, जिसके तहत अवैध गतिविधियों के विरुद्ध शराब माफियाओं के ठिकानों पर दबिश देकर प्रभावी कार्रवाई की गई। पुलिस द्वारा अवैध शराब के निर्माण, परिवहन एवं विक्रय में सलिस व्यक्तियों के विरुद्ध ऑपरेशन शिकंजा के तहत लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में आबकारी एक्ट के तहत 465 प्रकरण दर्ज कर 465 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। कार्रवाई के दौरान पुलिस द्वारा कुल 1789 लीटर अवैध शराब जब्त की गई, जिसमें 953 लीटर देशी शराब, 827 लीटर कच्ची शराब एवं 9 लीटर अंग्रेजी शराब शामिल है। जब्त अवैध शराब की अनुमानित कीमत 8 लाख 32 हजार 320 रूपए आंकी गई है। कटनी पुलिस द्वारा अवैध शराब निर्माण में प्रयुक्त शराब भट्टियों को नष्ट किया गया। साथ ही शराब निर्माण के लिए तैयार किए गए लगभग 17 क्विंटल महुआ लाहन का विनष्टीकरण किया गया।



डॉ. अदिति चौदहा

बी.डी.एस. मुख एवं दंत रोग विशेषज्ञ

पूर्व रेसीडेन्ट डेंटल सर्जन
अपोलो हॉस्पिटल बैंगलूरू



आधुनिक उपकरणों एवं नई तकनीक से दंत चिकित्सा

क्लीनिक: मां दुर्गा हॉस्पिटल के पास,
आदर्श कॉलोनी रोड, कटनी (म.प्र.)



कोतकरी निवासी डॉ. अदिति चौदहा, 23 वर्षीय, 22 वर्षीय और 15 वर्षीय के साथ 2 तस्कर गिरफ्तार

हृदय रोग जाँच केन्द्र

- सीने में दर्द • बिना वजह पसीना आना
- साँस फूलना • बेचेनी और घबराहट रहना
- अत्यधिक थकान

यदि निम्न में से कोई भी लक्षण आपके शरीर में है तो आपके हृदय संबंधित जाँच करवाना आवश्यक है

जैसे E.C.G (ई.सी.जी.)- हृदय गति की जाँच
ECHO CARDIO GRAPHY (इकोकार्डियोग्राफी)
हृदय आकार, कार्य क्षमता व हृदय मॉसपेशियों की जाँच
TMT (ट्रेड मिल टेस्ट)-हृदय धमनियों की प्राथमिक जाँच
नवजात व छोटे बच्चों के दिल में सुराख व दिल की बीमारीयों की जाँच की जाती है।

+ सी.आर.एम.क्लीनिक +

पता- डॉ. शर्मा तिरुहा, रूपलाल सोनी
मार्केट पुरानी बस्ती, आजाद चौक, कटनी (म.प्र.)
मो. 8826395999 - 07622-225824

डॉ. अभिषेक शर्मा

एम.बी.बी.एस. डिप्लोमा, (के.जी.के.सी.)
हृदय एवं मधुमेह रोग चिकित्सक

जी.डी.मेमोरियल नर्सिंग कॉलेज

प्रवेश प्रारंभ 2026-27
जी.एन.एम. नर्सिंग कोर्स



अपने नर्सिंग के सपने को दें नई उड़ान
इन कॉलोनी, बरगवां, कटनी (म.प्र.)
संपर्क: 9630364578, 7620029783

धर्मलोक हॉस्पिटल

पता- आदर्श कॉलोनी रोड, जयप्रकाश वार्ड, नई बस्ती, कटनी
फोन- 07622- 422390, 796084, मो. नं.- 8305402024

अस्पताल में उपलब्ध सुविधाएं

जनरल सर्जरी विभाग,
प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग,
अस्ति रोग विभाग, मेडिसिन
विभाग, नवजात एवं शिशु
विभाग, दंत विभाग,
एक्टसीडेंट एवं ट्रामा यूनिट

आयुष्मान कार्ड से भी इलाज की सुविधा

24 घंटे-सीटी स्कैन सुविधा, एम्बुलेंस सुविधा, मेडिकल स्टोर्स, इमरजेंसी एवं भर्ती की सुविधा

समर्थ मार्बल एण्ड ग्रेनाइट

SAMARTH MARBLE AND GRANITE



JOHNSON **Kajarla** **METRO TILES**